▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 225 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 15-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

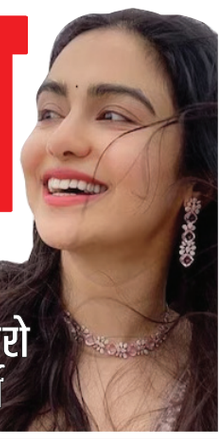

5 एलपीजी 'लापता' गैस बन गई है : अखिलेश यादव

6 लांस नायक विकास चौधरी: गोलियों की बौछार में आगे बढ़कर आतंकवादी को किया धराशायी

7 एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

तेलंगाना में जहर देकर 100 आवारा कुत्तों को मार डाला गया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मनचेरिल जिले में करीब 100 कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पशु कल्याण कार्यकर्ता ए गौतम ने अपनी शिकायत में बताया कि सात मार्च की रात किश्तपुर गांव में करीब 100 आवारा कुत्तों को मार दिया गया। शिकायतकर्ता 'स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' नामक गैर-सरकारी संगठन में क्रूरता निवारण प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव ने दो लोगों के जरिए कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मार डाला और बाद में उन्हें एक नदी के पास दफना दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अफगान क्षेत्र में पाकिस्तान के हवाई हमलों की शनिवार को निंदा की और कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत अफगानिस्तान के क्षेत्र में पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा करता है, जिनके कारण कई नागरिकों की मौत हुई है और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तानी सेना की ओर से की गई उकसावे की एक और कार्रवाई है, जो अफगानिस्तान की संप्रभुता के विचार के खिलाफ रही है। जायसवाल ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही।

रूस ने मॉस्को की ओर आ रहे 16 ड्रोन को मार गिराया

मास्को/भाषा। रूस ने शनिवार को मॉस्को पर हमला करने आ रहे यूक्रेन के 16 ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि बचाव दल उन स्थानों पर पहुंच गए हैं, जहां ड्रोनों का मलबा गिरा है। उन्होंने बताया कि मॉस्को की ओर बढ़ रहे 16 ड्रोनों को मार गिराया गया। मेयर ने हालांकि जमीन पर हुए नुकसान या हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। मॉस्कवा 24 टीवी चैनल के अनुसार, राजधानी में चार स्थानीय हवाई अड्डों में से तीन वनुकोवो, डोमोडेडोवो और ज़ुकोवस्की ने कई घंटों तक अपना परिचालन बंद रखा, जिससे हवाई यातायात बाधित हुआ।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए आधुनिक विश्वविद्यालयों को संकाय विकास, नवाचार और मजबूत अकादमिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने यहां हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पदक विजेताओं में ज्यादातर महिलाएं हैं, जो महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान का एक मजबूत प्रमाण है।

राधाकृष्णन ने छात्रों से राष्ट्र निर्माण के प्रति स्वयं को समर्पित करने और ''राष्ट्र सर्वोपरि'' की भावना को कायम रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में छात्र और युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उपराष्ट्रपति ने समावेशी विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसमें समाज का कोई भी राज्य या वर्ग पीछे न छूटे।

राधाकृष्णन ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को ''देव भूमि'' और ''वीर भूमि'' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य ने राष्ट्र के सशस्त्र बलों में उल्लेखनीय योगदान दिया है और अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और आतिथ्य के लिए प्रशंसा का पात्र है।

कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उपराष्ट्रपति का स्वागत राज्यपाल कविंदर गुप्ता, कृषि मंत्री चंद्र कुमार और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर ने किया। उन्हें औपचारिक गारद सलामी दी गई।

जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक संघर्षों के कारण लोगों पर पड़ने वाले प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस देश में दहशत पैदा करने की कोशिश करके ''गैर-जिम्मेदाराना'' व्यवहार कर रही है।

मोदी ने असम के सिलचर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक पूर्वोत्तर की अनदेखी की और स्वतंत्रता के दौरान ऐसी सीमा रेखा खींचने की अनुमति दी जिससे समुद्री मार्ग से बराक घाटी का संपर्क टूट गया। उन्होंने कहा, ''विश्व में जारी युद्धों को देखते हुए, हमारा प्रयास है कि देश की जनता पर इनका प्रभाव न्यूनतम हो। कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल की भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। वह जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है।''

मोदी ने कहा, ''उसके (कांग्रेस) पास न तो असम के लिए कोई दूरदृष्टि है और न ही राष्ट्र के लिए; वे (कांग्रेस नेता) केवल मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलना जानते हैं।''

प्रधानमंत्री ने पिछले महीने दिल्ली में हुई 'एआई इम्पैक्ट समिट' में कांग्रेस के ''कमीज उतारकर किए गए प्रदर्शन'' को लेकर भी उस पर निशाना साधा और विपक्षी पार्टी पर देश को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया एआई में रुचि रखती है, और दिल्ली में हुए सफल शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता, प्रौद्योगिकी कंपनियां और उनके प्रमुख शामिल हुए। लेकिन, कांग्रेस ने 'कपड़ा फाड़ प्रदर्शनी' कर देश को शर्मिंदा करने की कोशिश की।''

एम्सटर्डम में यहूदी स्कूल के बाहर विस्फोट

एम्सटर्डम/एपी। नीदरलैंड के एम्सटर्डम में एक यहूदी स्कूल के बाहर विस्फोट के मामले में संदिग्ध की तलाश की जा रही है। शहर की मेयर ने इस हमले को यहूदी समुदाय के खिलाफ कायरतापूर्ण आक्रामकता करार दिया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राजधानी के बुइटेनवेल्डर्ट जिले में स्थित स्कूल की बाहरी दीवार के पास रात में हुए विस्फोट से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि विस्फोट को अंजाम देने वाले व्यक्ति की तस्वीर कैमरे में कैद हो गई है। एम्सटर्डम की मेयर फेमके हालसीमा ने बयान में कहा कि शहर के यहूदी निवासी डरे हुए हैं और वे तेजी से बढ़ते यहूदी-विरोधी हमलों का निशाना बन रहे हैं।

लोकतंत्र उच्च शिक्षा में निवेश करता है ताकि स्नातक स्वयं को अनुशासित कर सकें : सीजेआई

चंडीगढ़/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि एक लोकतंत्र उच्च शिक्षा में इसलिए निवेश नहीं करता कि उसके स्नातक केवल समृद्ध हों, बल्कि इसलिए करता है ताकि वे स्वयं को अच्छी तरह से अनुशासित कर सकें। उन्होंने महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''सार्वजनिक जीवन की हर संस्था – अदालतें, सिविल सेवाएं, स्कूल, अस्पताल, स्थानीय प्रशासन निकाय – इन सभी की गुणवत्ता उन लोगों की योग्यता पर निर्भर करती है जो इनमें सेवा करने के लिए चुने जाते हैं।'' न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि महज 17 वर्षों में, विश्वविद्यालय ने तेजी से प्रगति की है और राष्ट्रीय मान्यता एवं पहचान हासिल की है। सीजेआई ने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों से कहा कि उन्हें प्राप्त डिग्री उनके द्वारा अर्जित ज्ञान को प्रमाणित करती है और उन्हें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने इसी के साथ रेखांकित किया कि ''औपचारिक शिक्षा की संरचना से मुक्त होने के बाद आपका चरित्र और निर्णय क्षमता कैसी रहती है, यह आपकी डिग्री यह प्रमाणित नहीं करती, और न ही कोई भी परीक्षा इसे माप सकती है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाया आरोप

'अपने स्वार्थ के लिए भारतीय कृषि को कुर्बान करने को भी तैयार है सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में अपने एक लिखित प्रश्न और सरकार के जवाब का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार अपने स्वार्थ के लिए भारतीय कृषि को कुर्बान करने के लिए भी तैयार है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वह किसानों के अधिकार और एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की रक्षा के लिए संसद के भीतर और बाहर आवाज़ उठाते रहेंगे।

राहुल गांधी ने अपने अतारांकित प्रश्न और सरकार के उत्तर की प्रति साझा करते हुए फेसबुक पर लिखा, लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा था कि 2021 में किसानों से किया गया 'सी2+50 प्रतिशत' कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी एमएसपी की नीति दोहरा दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला और उसने इसे बिना किसी तर्क के राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के नाम पर सही ठहराया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, एक और गंभीर सवाल यह है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में गैर व्यापारिक अवरोध घटाने की बात कही गई है। क्या इसका मतलब एमएसपी और सरकारी खरीद को कमजोर करना है? सरकार इस सवाल से भी बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों से किया वादा निभाना नहीं चाहती और वह ''अपने स्वार्थ के लिए भारतीय कृषि को कुर्बान करने को भी तैयार'' है।

राहुल गांधी ने कहा, हम किसानों के अधिकार और एमएसपी की रक्षा के लिए संसद के भीतर और बाहर आवाज उठाते रहेंगे।

रायबरेली से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने 10 मार्च को लिखित प्रश्न किया था कि क्या सरकार ने 2021 में विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों से वादा किया था कि वह सभी फसलों के लिए सी2+50 प्रतिशत की दर से विधिक गारंटीकृत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने पर विचार करेगी?

ईरान ने अपने द्वीप पर अमेरिकी बमबारी के बाद जवाबी हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के अंदर एक हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ जबकि संयुक्त अरब अमीरात में ईरान की रोकी गई मिसाइल का मलबा तेल संयंत्र पर गिर गया।

एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों में बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास से धुआं उठता दिखा। इसके अलावा यूएई में फुजैरा बंदरगाह में आग लगती हुई दिखी है, जहां अधिकारियों के अनुसार एक ड्रोन को मार गिराया गया है।

इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले एक द्वीप पर सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने होर्मूज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों को जाने की अनुमति नहीं दी तो उसके तेल प्रतिष्ठान अगला निशाना होंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी बलों ने शुक्रवार को ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित लक्ष्यों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ट्रंप ने कहा कि यह द्वीप देश के तेल निर्यात के लिए प्राथमिक टर्मिनल है और इसका सैन्य इस्तेमाल होता है।

ईरानी संसद के अध्यक्ष ने पहले चेतावनी दी थी कि इस तरह के हमलों से एक नए स्तर की प्रतिशोधी कार्रवाई शुरू हो सकती है।

इस बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध के लगभग दो सप्ताह बाद पश्चिम एशिया में 2,500 और मरीन एवं एक युद्धपोत भेजा जा रहा है। ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है, जहां से दुनियाभर में 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती है। वहीं, अमेरिकी और इजराइली युद्धक विमान समूचे ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं।

इस बीच लेबनान में मानवीय संकट और गहरा हो गया है। लेबनान में हमले में लगभग 800 लोग मारे गए हैं और 850,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

15-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 16-03-2026 सूर्योदय 6:26 बजे

BSE	NSE
74,563.92	23,151.10
(-1,470.50)	(-488.05)

सोना	चांदी
16,439 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	266,435 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

पंजाब में 2027 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी भाजपा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोगा (पंजाब)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि भाजपा 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में अपनी सरकार बनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह के इस बयान के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ भाजपा के फिर से गठबंधन की अटकलों पर विराम लग गया है।

शाह ने बदलाव रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने एक तरह से अपनी चुनावी मुहिम आज मोग़ा से शुरू की है। उन्होंने

पंजाब के लोगों से कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करने आया हूं कि हमें अपना आशीर्वाद दें।

भाजपा पहले अकाली दल के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में पंजाब सरकार का हिस्सा रही है। शाह ने बिना किसी पार्टी का नाम लिए कहा, जब भी हम आपके सामने आए, हम छोटे भाई के रूप में आए। हम अकेले सरकार नहीं बना सकते थे। शाह ने कहा, मगर आज मैं कह कर जा रहा हूं कि 2027 के चुनाव में, भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ेगी। किली चाहलान गांव में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब ने कांग्रेस, अकाली दल और 'आप' को कई मौके दिए हैं और अब भाजपा को मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम पंजाब में बदलाव लाएंगे।

शाह ने बताया कि 2024 में भाजपा को 19 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कहा, हमारा ट्रैक रिकॉर्ड यह है कि जहां भाजपा को 19 प्रतिशत वोट मिलते हैं, वहां अगली सरकार भाजपा की होती है। यह ओडिशा, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में हुआ, और अब पंजाब की बारी है।

गृह मंत्री ने याद दिलाया कि शिरोमणि अकाली दल ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा के साथ 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल भाजपा के दो विधायक हैं।

अकाली दल और भाजपा पहले गठबंधन के तहत साथ चुनाव लड़ते थे। उनके चुनावी समझौते के तहत भाजपा 23 जबकि शिअद 94 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ती थी। संसदीय चुनावों में शिअद 10 और भाजपा तीन सीटों पर चुनाव लड़ती थी। शिअद-भाजपा गठबंधन ने राज्य में 1997 से 2002, 2007 से 2012, और 2012 से 2017 तक तीन बार सरकार बनाई।

29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है। साथ ही, रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी और औचक निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद घबराहट में बुकिंग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और घरेलू रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं, जिससे देश भर में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। शर्मा ने कहा, ''किसी भी खुदरा बिक्री केंद्र से भंडार खत्म होने की खबर नहीं है। हम घरेलू स्तर पर अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पेट्रोल-डीजल का उत्पादन करते हैं और हमें आयात की आवश्यकता नहीं है।'' अधिकारी ने बताया कि खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बावजूद सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो खाड़ी देशों से ऊर्जा के परिवहन का सामान्य मार्ग है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने शुरू की गौधाम योजना, राज्य में बनेंगे 1460 गौधाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को 'गौधाम योजना' की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य में 1,460 गौधाम बनाये जाएंगे । अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि साय ने बिलासपुर जिले में तखतपुर विकासखंड के लाखासर गांव में गौधाम का दौरा किया, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से इस योजना को शुरू करने की घोषणा की।

बाद में उन्होंने यहां गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 11 जिलों में 29 गौधामों (जिनमें लाखासर भी शामिल है) का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया। लाखासर में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए साय ने कहा, ''आज बहुत सौभाग्य का दिन है कि लाखासार की पावन भूमि से गौधाम योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। गोधन हमारी ग्रामीण संस्कृति, कृषि व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार गोधन संरक्षण और बेसहारा मवेशियों की देखभाल के लिए गौधाम योजना को राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है।'' मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब राज्य के सभी गौधाम सुरभि गौधाम कहलाएंगे।'' उन्होंने कहा कि गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, इससे गौसेवा के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साय ने इस अवसर पर लाखासार क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने लाखासार में महतारी सदन, मिनी स्टेडियम तथा 500 मीटर लंबाई के गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने लाखासार गौधाम में प्रशिक्षण भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए स्वीकृत करने तथा एक 'काऊ कैचर' और एक पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की भी घोषणा की।

एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए। जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं, और इनके 16-17 मार्च को भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है। ये दोनों पोत उन 24 जहाजों में शामिल थे, जो क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी किनारे पर फंसे हुए थे।

वकील की प्रतिभा व न्यायाधीश की नैतिक जिम्मेदारी का स्थान नहीं ले सकता एआई : न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर कृत्रिम मेधा (एआई) समय बचा सकती है और कानूनी कार्य के कुछ पहलुओं को अधिक प्रबंधनीय बना सकती है, लेकिन यह एक वकील की प्रतिभा, न्यायिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकती।

न्यायामूर्ति विक्रम नाथ ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने उच्चतम न्यायालय में भी कृत्रिम मेधा से उत्पन्न सामग्री के लापरवाहीपूर्वक उपयोग के मामलों पर चिंता व्यक्त जताई, जिनमें ऐसे उद्धरणों और संदर्भों का उल्लेख शामिल है जो अस्तित्व में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि झूठे उद्धरण केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं हैं, वे कानूनी दलीलों की शुचिता और स्वयं न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रहार करते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, ''लेकिन एक उपकरण को उपकरण ही रहना चाहिए। यह एक वकील के प्रशिक्षित दिमाग, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकता।'' उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही, एआई के दुरुपयोग से हमें इसके विपरीत चरम सीमा तक नहीं पहुंचना चाहिए, जहां हम इससे पूरी तरह से संबंध तोड़ लें। इसका समाधान है जानकारीपूर्ण उपयोग, नैतिक अनुशासन और पेशेवर मानक। हमें इन उपकरणों का कुशलतापूर्वक, सावधानीपूर्वक और इनकी सीमाओं के प्रति पूर्ण जागरूकता के साथ उपयोग करना सीखना होगा।'' न्यायमूर्ति ने कहा कि इसलिए, चुनौतियां वास्तविक हैं क्योंकि प्रौद्योगिकी पहुंच को व्यापक बना सकती है, लेकिन यह अलगाव को भी गहरा कर सकती है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह पारदर्शिता बढ़ा सकती है, लेकिन यह विकृति को भी बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीकें और उपकरण कानूनी कार्यों में सहायता कर सकते हैं, लेकिन वे लापरवाही के नए रूप भी पैदा कर सकते हैं। ये अपराध से निपटने में मदद कर सकते हैं और साथ ही नए अपराधों को अंजाम देने का माध्यम भी बन सकते हैं। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा, ''यह हमारे युग का विरोधाभास है, लेकिन इस विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना हमारी संस्थाओं की जिम्मेदारी भी है। इसलिए हमारा दृष्टिकोण सैद्धांतिक अनुकूलन का होना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह नई है। हमें इसे अंधाधुंध स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह कारगर है।''

भारत ने कोच्चि में मौजूद ईरानी पोत के चालक दल के कुछ सदस्यों को स्वदेश भेजा

नई दिल्ली/भाषा। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच चार मार्च को कोच्चि पहुंचे एक ईरानी युद्धपोत के चालक दल के कुछ सदस्यों को भारत ने उनके देश वापस भेज दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पोत 'आइरिस लावन' के कोच्चि में होने के कारण उसके चालक दल के 183 सदस्यों में से 50 से अधिक सदस्य वहीं रुके हुए हैं। उन्होंने बताया कि गैर-आवश्यक कर्मी तुर्किये की एक विमानन कंपनी के विमान से भारत से रवाना हुए। यह विमान कल देर रात कोच्चि पहुंचा। विमान चार मार्च को श्रीलंका के तट के पास अमेरिका की एक पनडुब्बी द्वारा डुबोए गए एक अन्य युद्धपोत के 80 से अधिक ईरानी नाविकों के शव कोलंबो से लेकर यहां आया।

'आइरिस लावन' चार मार्च से कोच्चि में ही है। पोत में कोई तकनीकी दिक्कतें आने पर ईरानी पक्ष के अनुरोध के बाद एक मार्च को इसे आपातकालीन 'डॉकिंग' की मंजूरी दी गई। जानकारी मिली है कि 'आइरिस लावन' पर तैनात ईरानी कर्मी आर्मेनिया की राजधानी येरेवान से सड़क मार्ग के जरिये ईरान जाएंगे। चालक दल के सदस्यों को ऐसे समय में वापस भेजा गया है जब भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर इस समय मौजूद भारतीय ध्वज वाले 24 से अधिक वाणिज्यिक पोतों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है।

राजकोट में एम्स के प्रशिक्षु चिकित्सक ने आत्महत्या की, सुसाइड नोट में सहपाठियों पर आरोप लगाया

राजकोट (गुजरात)/भाषा। राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत 25 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। मौके से मिले एक सुसाइड नोट में दावा किया गया है कि सहपाठियों ने उस पर हमला किया था। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन 2) राकेश देसाई ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर निवासी रतनकुमार मेघवाल का शव शहर के पास घंटेस्वर और पारा पिपलिया के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला। अधिकारी ने बताया कि गांधीग्राम पुलिस को सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और मेघवाल का शव बरामद किया। देसाई ने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास से मेघवाल का लैपटॉप, मोबाइल फोन, मेडिकल फाइलें और पहचान पत्र बरामद हुए। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रशिक्षु चिकित्सक के पास से एक नोट मिला है जिसमें मेघवाल ने अपने सहपाठियों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि मेघवाल ने 27 जनवरी को भी उसी स्थान पर आत्महत्या का प्रयास किया था लेकिन तब पुलिस मौके पर पहुंची थी और उसे राजस्थान स्थित उसके घर भेज दिया था।

सरकार ने लगभग छह महीने बाद सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द की

वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले किया गया था गिरफ्तार, इन प्रदर्शनों के दौरान हो गई थी चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी। केंद्र सरकार ने कहा है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा था कि वह वांगचुक के भाषणों के वीडियो इस सप्ताह देखेगा और उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो की याचिका पर 17 मार्च को अंतिम सुनवाई करेगा।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर 2025 को वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। इन प्रदर्शनों में 22 पुलिसकर्मियों सहित 45 से अधिक लोग घायल हुए थे।

उन्हें लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर ''जनव्यवस्था बनाए रखने'' के लिए रासुका के तहत हिरासत में लिया गया और फिर जोधपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक संवाद को संभव बनाने के लिए लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उसने कहा, ''सरकार ने इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए और समुचित विचार-विमर्श के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उपलब्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है।''

बयान में कहा गया है कि वांगचुक पहले ही रासुका के तहत हिरासत की अवधि का लगभग आधा समय पूरा कर चुके हैं।

बयान के अनुसार, सरकार क्षेत्र के लोगों की चिंताओं का समाधान करने के उद्देश्य से लद्दाख में विभिन्न हितधारकों और सामुदायिक नेताओं के साथ सक्रिय रूप से संपर्क बनाए हुए है।

सरकार ने कहा कि हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों का मौजूदा माहौल समाज के शांतिप्रिय चरित्र के लिए हानिकारक रहा है और इससे विद्यार्थियों, नौकरी के अभ्यर्थियों, कारोबारियों, टूर ऑपरेटर एवं पर्यटकों सहित समुदाय के विभिन्न वर्गों तथा समूची अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

सरकार ने लद्दाख के लिए सभी जरूरी सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराने की अपनी ''प्रतिबद्धता'' दोहराते हुए उम्मीद जताई कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं के समाधान के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति और अन्य उपयुक्त मंचों सहित रचनात्मक सहभागिता और संवाद के जरिये क्षेत्र की समस्याओं का हल निकाला जाएगा।

वांगचुक ने दो दिन पहले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि लद्दाख के न्यायपूर्ण भविष्य के लिए ईमानदार बातचीत जरूरी होगी।

इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द करने के केंद्र के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनके खिलाफ इस कड़े कानून का इस्तेमाल किया ही नहीं जाना चाहिए था।

अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के लिए धैर्य बनाए रखना ही सबसे अच्छी रणनीति : सेबी चेयरमैन

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को निवेशकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और इसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति करार दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बाजारों में बिकवाली के दबाव के बीच पांडेय ने कहा कि कोरोना महामारी या रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी पिछली घटनाओं ने यह दिखाया है कि समय के साथ बाजार स्थिर हो जाते हैं।

सेबी के चेयरमैन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता बहाल करने के प्रयास जारी हैं, हालांकि दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी तनाव ने ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा की है। उन्होंने कहा, कई निवेशकों, खासकर खुदरा निवेशकों के लिए, ऐसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति धैर्य बनाए रखना है। भारतीय पूंजी बाजार नियामक के प्रमुख ने माना कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता हावी है, जो प्रौद्योगिकी बदलाव, एआई के अपनाने और भू-राजनीतिक तनावों के कारण उत्पन्न होती है। पांडेय ने पिछले अनुभव का हवाला देते हुए कहा, बाजारों में उतार-चढ़ाव आया ... लेकिन वे अंततः स्थिर हो गए। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता अपवाद नहीं बल्कि वित्तीय बाजारों की एक सामान्य विशेषता है। असली परीक्षा यह है कि एक प्रणाली चुनौतियों के बावजूद कितनी सुचारू, निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से काम कर सकती है।

नौकरी के झांसे में रूस गए युवक की युद्ध में मौत

लुधियाना/भाषा। पंजाब में लुधियाना के 21 वर्षीय समरजीत सिंह की कथित तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर मौत हो गई। उनके परिजनों ने यह जानकारी दी।

सिंह के परिवार का आरोप है कि उन्हें जुलाई 2025 में नौकरी का झांसा देकर रूस ले जाया गया था और बाद में धोखे से सेना में भर्ती कर मोर्चे पर भेज दिया गया।

समरजीत सिंह का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लाया गया। बाद में उसे लुधियाना लाया गया, जहां परिवार ने शुक्रवार शाम उनका अंतिम संस्कार किया।

समरजीत के पिता चरणजीत सिंह ने उन सभी एजेंट को जिम्मेदार ठहराया जो रूस में नौकरी का फर्जी प्रस्ताव देकर युवाओं को वहां ले जाते हैं और बाद में उन्हें रूस की सेना में भर्ती करा देते हैं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे को बिना किसी सैन्य प्रशिक्षण के रूसी सेना में भर्ती कर लिया गया था। चरणजीत ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे से आखिरी बार सितंबर में बात की थी, जिसके बाद समरजीत लापता हो गया। बाद में परिवार ने बेटे को वापस लाने के लिए विधायकों सहित कई नेताओं से सहायता की गुहार लगाई।

ईरान पर थोपा गया 'अन्यायपूर्ण' युद्ध समाप्त होना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि ईरान की जनता पर थोपा गया ''अन्यायपूर्ण'' युद्ध समाप्त होना चाहिए और शांति कायम होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और इजराइल को ईरान के नेतृत्व का फैसला करने का अधिकार नहीं है।

उमर ने कहा कि ईरान की जनता को अपने देश के नेतृत्व के बारे में फैसला करना है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''अंततः, हम शांति चाहते हैं। हम चाहते हैं कि ईरान की जनता पर थोपा गया यह अन्यायपूर्ण युद्ध समाप्त हो। जैसा कि मैंने बार-बार कहा है, अमेरिका और इजराइल यह तय नहीं कर सकते कि ईरान का नेता कौन होगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई न केवल ईरान के नेता थे, बल्कि ''वह संपूर्ण मुस्लिम जगत के लिए एक सर्वमान्य धर्मगुरु थे।''

उमर ने भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से ईंधन ले जाने की अनुमति दिए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''कोई भी ऐसी चीज जो हमें अपनी कीमतें कम रखने में मदद करती है, वह अच्छी बात है, चाहे रूस से तेल खरीदना हो या जलडमरूमध्य के माध्यम से अपनी गैस और ईंधन की आपूर्ति करने में सक्षम होना हो, जो अन्यथा सभी के लिए बंद है।''

मुख्यमंत्री फडणवीस ने 200 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ पर फहराया तिरंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर के कस्तूरचंद पार्क में 200 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ का अनावरण करते हुए वहां राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

लोकमत मीडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, 200 फुट की ऊंचाई के साथ यह क्षेत्र के सबसे ऊंचे ध्वज स्तंभों में से एक होगा, जिस पर 60 फुट लंबा और 40 फुट चौड़ा तिरंगा लहराएगा। यह विविधता में एकता, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है। यह पहल लोकमत मीडिया ग्रुप और नागपुर महानगरपालिका (एनएमसी) के संयुक्त प्रयासों से शुरू की गई थी। लोकमत मीडिया ग्रुप के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. विजय दर्डा ने समारोह की अध्यक्षता की। नागपुर के एक महानगरीय शहर के रूप में महत्व और इसके ऐतिहासिक 'जीरो माइल' पर प्रकाश डालते हुए, फडणवीस ने इस पहल के लिए लोकमत समूह की प्रशंसा की। नागपुर स्थित 'जीरो माइलस्टोन' औपनिवेशिक भारत के भौगोलिक केंद्र को चिह्नित करता है। यह दूरी मापने का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना हुआ है। दर्डा ने बताया कि ध्वज स्तंभ परियोजना की परिकल्पना 2009 में की गई थी और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित विभिन्न सरकारी विभागों के साथ मिलकर इस पर काम किया गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 28 अक्टूबर 2016 को इसकी आधारशिला रखी थी। इस अवसर को गौरव का क्षण बताते हुए दर्डा ने कहा कि इससे देशभक्ति की भावना मजबूत होगी और युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार शनिवार को बागलकोट के दौरे पर रहे। यहाँ उन्होंने कई सरकारी कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस दौरान राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ नेता और अधिकारी भी मौजूद रहे।

बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट के आगामी उपचुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव वर्तमान कांग्रेस विधायकों एच. वाई. मेटी और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के कारण कराए जा रहे हैं। सिद्दरामय्या ने उपचुनावों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, उपचुनाव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। हम चुनाव के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि उपचुनाव के उम्मीदवारों का फैसला कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, बागलकोट में दिवंगत एच. वाई. मेटी के परिवार के सदस्य भी मजबूत दावेदार हैं। आकांक्षा रखना गलत नहीं है; हम (राज्य के नेता) सभी पहलुओं पर विचार कर एक नाम की सिफारिश करेंगे। अंतिम निर्णय आलाकमान ही करेगा। उन्होंने संभावना जताई कि उपचुनाव की तारीख एक सप्ताह में घोषित हो सकती है।

कर्नाटक में वन एवं राजस्व भूमि चिन्हित करने के लिए एसआईटी गठित की जाएगी : बैरेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बैरे गौड़ा ने शनिवार को कहा कि वन एवं राजस्व भूमि की पहचान करने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा जो उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में ऐस जमीन की पहचान कर रिपोर्ट सौंपेगी। मंगलूरु के नजदीक मुलकी तालुक प्रशासनिक केंद्र प्रजा सभा का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि वन एवं राजस्व भूमि के वर्गीकरण का मुद्दा लंबे समय से लंबित रहने के कारण किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा और सरकार प्राथमिकता के आधार पर इसका हल करने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि पहले किसानों को दी गयी जमीनों में वन एवं राजस्व भूमि की हदबंदी के लिए संयुक्त सर्वेक्षण किया जा रहा है तथा इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं।

गौड़ा ने कहा कि कई किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा था क्योंकि पूर्व में उन्हें दी गई जमीन का औपचारिक रूप से मानचित्रण नहीं किया गया था, अब सरकार ने इसकी प्रक्रिया शुरू की है। मंत्री ने कहा कि 2018 और 2023 के बीच इस जिले में 1,948 लाभार्थियों के लिए मानचित्रण पूरा किया गया था, जबकि पिछले दो वर्षों में 1-5 स्कीम के तहत 60,943 लाभार्थियों के लिए मानचित्रण किया गया। उन्होंने कहा कि ई-पोथी अभियान के तहत करीब 60,000 कानूनी वारिसों को भूमि अभिलेखों में परिवर्तन का अधिकार दिया गया है जिनमें पहले मृत व्यक्तियों के नाम दर्ज थे।

गौड़ा ने कहा कि तालुक प्रशासनिक कार्यालय का नाम प्रजा सभा इसलिए रखा गया है ताकि शासन लोगों के करीब आ सके। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि इस जिले में निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल में राज्य के बजट में इस जिले के लिए एक वैश्विक क्षमता केंद्र की घोषणा की गई है और इसे लागू करने के लिए जल्द ही कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 'वेनलॉक' जिला अस्पताल में एक नए ओपीडी खंड के लिए 70 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि मूदबिदरी, बंटवाल, विटला और बेलथांगडी में तालुक अस्पतालों में सेवाएं सुधारने के लिए तीन निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ बातचीत चल रही है। लोकसभा सदस्य बृजेश चौटा ने राजस्व मंत्री से पुत्तुर, सुलिया, कडाबा और बेलथांगडी तालुकों में वन एवं राजस्व भूमि के मुद्दे हल करने का अनुरोध किया।

बेंगलूरु हवाईअड्डे पर बम संबंधी टिप्पणी करने पर डीजे पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान में सवार होने के लिए गेट पर देर से पहुंचने के कारण प्रवेश से रोके जाने पर एयरलाइन के कर्मचारियों से बहस के दौरान 'बम' का जिक्र करने वाले एक 'डिस्क जॉकी' (डीजे) को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्रोताओं या दर्शकों के लिए रिकॉर्ड किया हुआ संगीत बजाने वाले व्यक्ति को डिस्क जॉकी कहते हैं।

पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले का निवासी 40 वर्षीय आरोपी रजतेश बेरा 11 मार्च को इंडिगो की उड़ान से बेंगलूरु से रायपुर जाने वाला था। वह टर्मिनल-1 के गेट नंबर 16 पर सवार होने का समय निकलने के बाद पहुंचा, जिस पर कर्मचारियों ने उसे प्रवेश देने से मना कर दिया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया इसके बाद हुई बहस के दौरान बेरा ने कथित तौर पर कहा कि यदि विमान के अंदर बम हो तो उड़ान रुक जाएगी, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंता पैदा हो गई और उसे हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया गया। एयरलाइन कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में बेरा ने बताया कि वह पिता की खराब तबीयत के कारण जल्दबाजी में विमान में सवार होने की कोशिश कर रहा था। बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया और जांच जारी है।

देर से आने पर छात्र को दो घंटे तेज धूप में खड़ा रखा, प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में देर से आने पर पहली कक्षा के छात्र को सजा के तौर पर दो घंटे तक तेज धूप में खड़ा रखने के आरोप में एक निजी विद्यालय मामला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना यहां यलहंका अट्टूर लेआउट के एक स्कूल में हुई।

पुलिस के मुताबिक, बच्चे के माता-पिता ने आरोप लगाया कि कक्षा में दो मिनट देर से आने पर स्कूल के अधिकारियों ने छात्र को सजा के तौर पर दो घंटे तक धूप में खड़ा रखा। माता-पिता के अनुसार जब उन्होंने इस घटना के बारे में प्रधानाचार्य से सवाल किया तो उन्होंने बदतमीजी की। उन्होंने विद्यालय के कर्मचारियों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए स्कूल प्रशासन से सफाई मांगी।

बेंगलूरु सिटी पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद जवाब दिया कि बच्चों को शारीरिक या मानसिक तकलीफ देना दंडनीय अपराध है। पुलिस ने पोस्ट में कहा, हमने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के तहत घटना को गंभीरता से लिया है, जिसमें एक बच्चे को देर से आने की सज़ा के तौर पर दो घंटे तक धूप में खड़ा रखा गया। बच्चों को शारीरिक या मानसिक तकलीफ देना दंडनीय अपराध है।

पोस्ट में कहा गया है कि किशोर न्याय अधिनियम के तहत भी एक मामला दर्ज किया गया है।

लोकायुक्त ने आबकारी विभाग के उपायुक्त के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया

उडुप्पी। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने उडुपी आबकारी उपायुक्त टी.एम. श्रीनिवास के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। कई स्थानों पर तलाशी के दौरान कथित तौर पर उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक 8.69 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लोकायुक्त के अधिकारियों ने 11 मार्च को श्रीनिवास से जुड़े 15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की, जिनमें उनका आवास, कार्यालय और उनके रिश्तेदारों के परिसर शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान जांचकर्ताओं को कथित तौर पर 6.90 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियां मिलीं, जिनमें 11 भूखंड, छह मकान और लगभग 31 एकड़ कृषि भूमि शामिल है, जो कथित तौर पर श्रीनिवास और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व में हैं। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, श्रीनिवास की वैध आय से अधिक मानी जाने वाली संपत्तियों का कुल मूल्य 8.69 करोड़ रुपये आंका गया है।

राजग के साथ गठबंधन की कोई संभावना नहीं है : टीवीके

चेन्नई। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से शनिवार को इनकार किया। पार्टी ने चुनावी समझौते को लेकर मीडिया में जारी अटकलों को भी खारिज कर दिया। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों के इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत हो रही है।

नागेंद्रन ने यहां पत्रकारों से कहा, ''आप गठबंधन को लेकर चिंतित हैं और मैं जनता की समस्याओं को लेकर चिंतित हूं, खासकर राज्य में कानून-व्यवस्था की विफलता और महिलाओं की सुरक्षा की कमी को लेकर।'' राजग के साथ गठबंधन के लिए बातचीत को ''अफवाह'' बताते हुए, टीवीके के संयुक्त महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने कहा कि 13 मार्च को पार्टी के जिला सचिवों के साथ हुई ऑनलाइन बैठक का उद्देश्य पार्टी की ताकत और गठबंधन की संभावनाओं का आकलन करना था। निर्मल कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राजग के साथ गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। हम पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भाजपा हमारी वैचारिक शत्रु है।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/101
दिनांक: 09.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हरिहर: समुदाय भवन का निर्माण कार्य।	रु. 21,17,597/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 30.03.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ सामान्य/मैसूरु

PUB/989/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: Prov_CGBD_5Line_2Line_sin, दिनांक: 09.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे -	रु. 9,93,54,857.34

बेंगलूरु (एसबीसी) विभाग: बेंगलूरु विभाग के अंतर्गत करमेलाराम, यलहंका पर सीजीडीबी का प्रावधान और बेंगलूरु छावनी, यलहंका, करजगी, कृष्णराजपुरम, केएसआर बेंगलूरु, बंगारपेट, मंड्या, तुमकूरु, कुप्पम, हिंदूपुर, चन्नपट्टणा, होसूर, मालूर, रामनगरम, श्री सत्य साई प्रशांति निलयम तथा व्हाईटफील्ड और दोडबल्लाबूर, धर्मपुरी स्टेशनों पर 5 लाईन, 2 लाईन और सिंगल लाईन, डिस्पले बोर्ड का व्यवस्था का कार्यों के प्रावधान।

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 31.03.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/ बेंगलूरु

PUB/988/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

बेंगलूरु विभाग पर पार्सल स्पेस, पॉर्किंग एवं एड्वर्टाईज़मेंट विभिन्न अनुबंधों के लिए ई-नीलामी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए नीचे दिए हुए तारीखें में निविदादाताओं से ई-नीलामी आमंत्रित करते है।

1. पार्किंग और पे एंड यूज़: 17.03.2026
2. पार्सल: 20.03.2026, 23.03.2026, 24.03.2026
3. विभिन्न: 23.03.2026.

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक बेंगलूरु

PUB/996/AAMO/PRB/SWR/2024-25

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

मंड्या में 14 करोड़ की लागत से बनेगा इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और एचडी कुमारस्वामी ने रखी आधारशिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडया। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को भूमि पूजन किया और भारत सरकार की 'खेलो इंडिया' योजना के तहत मांड्या के लिए स्वीकृत 14 करोड़ रुपये की लागत वाले बहुउद्देशीय इनडोर खेल परिसर की आधारशिला रखी। यह नई सुविधा मांड्या के वीसी फार्म स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर में बन रही है। आधारशिला रखते हुए दोनों मंत्रियों ने जिले के युवाओं से 'खेलो इंडिया! जीवंत मांड्या!' के नारे के अनुरूप मंडया में खेल संस्कृति को मजबूत करने और इस क्षेत्र से और अधिक चैंपियन तैयार करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने शिलान्यास कार्यक्रम की औपचारिक रस्मों में भाग लिया। मंडया खेल जगत में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध है। मंच कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया पहल केंद्र सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने और भारत को एक अग्रणी खेल राष्ट्र बनाने के लिए शुरू किया गया एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। खेल मंत्री ने कहा कि मंडया में इस सुसज्जित खेल परिसर की स्थापना उनके कैबिनेट सहयोगी एच.डी. कुमारस्वामी के प्रयासों से संभव हो पाई है।

मंत्री मांडविया ने कहा कि उन्होंने स्वयं कुमारस्वामी की दिव्यांगजनों के प्रति चिंता देखी है और इलेक्ट्रिक वाहनों के वितरण की पहल को अत्यंत सराहनीय बताया। ऐसे प्रयास न केवल दिव्यांगजनों को उनके दैनिक जीवन में सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी सकारात्मक योगदान देते हैं।

मांडविया ने आगे कहा कि मंडया ने कई ऐसे खिलाड़ियों को जन्म दिया है जिन्होंने न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को भी पहचान दिलाई है। मंत्री ने विकास गौड़ा और केपी शिल्पा जैसे खिलाड़ियों को याद किया, जिन्होंने मंडया का नाम रोशन किया है। विशेष रूप से, मंत्री ने व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी शिल्पा का उल्लेख किया, जो वर्तमान में भारत की नंबर एक व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में कहा, मंडया में एक सुसज्जित इंडोर स्टेडियम की लंबे समय से मांग थी। हम अब उस मांग को पूरा कर रहे हैं। आज इसकी नींव रखी जा चुकी है। काम जल्द ही शुरू होकर पूरा हो जाएगा। मेरे अनुरोध पर 'खेलो इंडिया' योजना के तहत इंडोर स्टेडियम को मंजूरी दे दी गई है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी की सरकार युवा सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए काम कर रही है। प्रधानमंत्री प्रत्येक कैबिनेट बैठक में युवाओं के कल्याण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और मनसुख मांडविया उन निर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मांड्या लोकसभा क्षेत्र में उद्योग लाने का काम प्रगति पर है और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया का परीक्षण केंद्र स्थापित करने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने यह भी बताया कि सीएसआर फंड के तहत 96 स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिए अनुदान पहले ही दिया जा चुका है।

कार्यक्रम के समापन के बाद, 388 दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक वाहन वितरित किए गए। ये वाहन टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) की सीएसआर पहल के तहत उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त, इंफोसिस द्वारा दान किए गए 500 डेस्कटॉप और 100 लैपटॉप सरकारी स्कूलों को सौंपे गए। हिंदुजा समूह की सीएसआर पहल के तहत दान की गई अत्याधुनिक एम्बुलेंस भी मंडया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमआईएमएस) को भेंट की गई।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-नीलोमी अनुसूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र. सं.	ई-नीलोमी केटलॉग सं.	वर्ग/उप वर्ग/विवरण	ई-नीलोमी का दिनांक & समय
1	एमवायएस-एसीडब्ल्यूएच-एसबीएचआर	विभिन्न/एसी वेटिंग हॉल - सुब्रमण्या रोड स्टेशन	20.03.2026 15:00 बजे
2	एमवायएस-एमएसएस-एसआईपीओडी	विभिन्न/शयन कमरों का स्थापना और रखरखाव - मैसूरु	23.03.2026 15:00 बजे
3	एमवायएस-एमपीएस-24	खानपान/एमपीएस - दावणगेरे, बीरूर, हावेरी और अरसीकेरे स्टेशनों	23.03.2026 15:00 बजे
4	एनटीडब्ल्यू-वीआरआर-25	खानपान/शाकाहारी रिफ्रेशमेंट रूम - नंजनगूड टाऊन	24.03.2026 15:00 बजे
5	पॉर्किंग-जेआरयू-26	पॉर्किंग/अनुबंध - चिक्कजाजूर स्टेशन	24.03.2026 15:00 बजे
6	एमएके-एचएएस-285	विभिन्न/मोबाईल व एक्सेसरीस दुकान - हासन स्टेशन	24.03.2026 15:00 बजे
7	पीएसके-एसएमईटी-285	विभिन्न/पूजा सामग्री कयोस्क - शिवमोग्गा टाऊन स्टेशन	25.03.2026 15:00 बजे
8	पॉर्किंग-एएसके-202	पॉर्किंग/अनुबंध - अरसीकेरे स्टेशन	25.03.2026 15:00 बजे
9	एमवायएस-एमएसएस-एसएस-286	विभिन्न/सलून स्टोर - मैसूरु स्टेशन	26.03.2026 10:00 बजे
10	एमएके-डीबी-287	विभिन्न/मोबाईल व एक्सेसरीस दुकान - दावणगेरे और भद्रावती	27.03.2026 15:00 बजे
11	एमवायएस-एफएसएलआर-16210	पार्सल/एसएलआर - ट्रैन नं. 16210	27.03.2026 15:00 बजे
12	एमवायएस-एसएमईटी डीजीएल-288	विभिन्न/डिजिटल लॉकर - शिवमोग्गा टाऊन	30.03.2026 15:00 बजे
13	पॉर्किंग-डीआरयू-26	पॉर्किंग/अनुबंध - कडूर स्टेशन	30.03.2026 15:00 बजे
14	एमवायएस-ईबीएसएस-एसटीएन-28	विभिन्न/विशेष ब्रैंडेड शोरूम, बिक्री के साथ - मैसूरु स्टेशन	31.03.2026 15:00 बजे
15	एमवायएस-एडी-वीडब्ल्यू-291	विज्ञापन/विनाइल रैपिंग अनुबंध - ट्रैन नं. 12781 और 16206	01.04.2026 15:00 बजे
16	ईबीएसएस-डीएस-290	विभिन्न/विशेष ब्रैंडेड शोरूम - शिवमोग्गा टाऊन और दावणगेरे स्टेशन	01.04.2026 15:00 बजे

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, मैसूरु

PUB/999/AAMO/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

युवा नौकरी लेने वाले नहीं, देने वाले बनें : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वैश्य समाज में संगठन की प्रबल शक्ति और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है। भारत के इतिहास में वैश्य समाज का योगदान सदैव अग्रणी रहा है। यह समाज देश की आर्थिक रीढ़ है। इसने हजारों वर्षों से देश की अर्थव्यवस्था को थामे रखा है। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज का परिश्रम, व्यापार कौशल और ईमानदारी देश की समृद्धि में सहायक रहे हैं।

शर्मा शनिवार को भांकरोटा में अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों ने मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया। उद्योग, व्यापार और रोजगार में वैश्य समाज का योगदान किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हस्तशिल्प, रत्न-आभूषण, वस्त्र और खाद्य उद्योग में इस समाज की मेहनत और दूरदर्शिता की झलक मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत 2047 और विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य वैश्य समाज के विकास और सहयोग के बिना अधूरा है। समाज के अनुभवी व्यापारियों के पास ज्ञान और अनुभव है। इसलिए उस अनुभव को नई पीढ़ी तक पहुंचाकर स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में रहने वाला वैश्य समाज सामाजिक सरोकार के कार्यों और अपनी संस्कृति से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने युवाओं से उद्योग के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील करते हुए कहा कि 'युवा नौकरी लेने वाले नहीं, देने वाले बनें'।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग और क्षेत्र के विकास का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझोता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, देवास परियोजना सहित अन्य पेयजल एवं सिंचाई परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम किया गया है। राज्य सरकार उद्योगों को भी पर्याप्त पानी देने के लिए काम कर रही है। इसी प्रकार, ऊर्जा के क्षेत्र में 8 हजार 261 मेगावाट की उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई है। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक सम्पूर्ण प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पहले वर्ष में ही हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है। प्रदेश में खनन, पर्यटन और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए नीतियां जारी की गई हैं। साथ ही, युवा नीति जारी कर प्रदेश के युवाओं को उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। ओडीओपी योजना से हर जिले में उद्योग मजबूत बन रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

शर्मा ने कहा कि 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के वादे को हमारी सरकार पूरा कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश में अब तक सवा लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। वहीं, 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में एक लाख पदों की जगह सवा लाख पदों पर भर्ती के लिए कैलेण्डर जारी करने की घोषणा भी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता और अथक परिश्रम के कारण 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, रेवती नक्षत्र और इन्द्रयोग में वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। इसीलिए हमने निर्णय लिया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष 19 मार्च को मनाया जाने वाला यह दिवस राजस्थान की आत्मा, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास का उत्सव है।

शर्मा ने कहा कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार निरन्तर काम कर रही है। पिछले दो वर्षों से अधिक के कार्यकाल में प्रदेश 11 जनकल्याणकारी योजनाओं में देश में प्रथम स्थान पर, 5 राष्ट्रीय योजनाओं में दूसरे स्थान पर और 9 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में तीसरे स्थान रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों से केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाने का आह्वान किया। इससे पहले महासम्मेलन में मुख्यमंत्री ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया।

जयपुर में द्रव्यवती नदी के किनारे यातायात गलियारा बनाने के लिए बनेगी परियोजना रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बढ़ते यातायात के बीच सरकार द्रव्यवती नदी के किनारे 'एलिवेटेड ट्रैफिक कॉरिडोर' की संभावना तलाश रही है। सरकार ने इसके लिए परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण की परियोजना कार्य कमेटी (पीडब्ल्यूसी) की बैठक में इसकी मंजूरी दी गई। कमेटी की शुक्रवार को हुई बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और नयी विकास योजनाओं को गति देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर करोड़ों रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गईं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार बैठक में जयपुर शहर में यातायात के दबाव को कम करने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए द्रव्यवती नदी के साथ प्रस्तावित 'एलिवेटेड ट्रैफिक कॉरिडोर' की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए छह करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना के क्रियान्वयन से शहर में यातायात की सुगमता बढ़ने और जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।बयान के अनुसार इसी क्रम में द्रव्यवती नदी पर चार स्थानों पर सुगम आवागमन करने के उद्देश्य से 'बॉक्स कल्वर्ट' बनाने के लिए 16.67 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। वहीं खेल अवसंरचना को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए द्रव्यवती नदी के किनारे आधुनिक 'स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' के निर्माण एवं विकास के लिए 7.90 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि इन परियोजनाओं से शहर की यातायात व्यवस्था और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा जयपुर के सुनियोजित और सतत विकास को नयी गति मिलेगी।

भजनलाल शर्मा ने सफाई कर्मियों को पीपीई किट बांटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शनिवार को यहां श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिये जाने के साथ राज्यव्यापी स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सफाईकर्मियों को 'पीपीई किट' बांटी तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक भी सौंपे। शर्मा ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा रामनिवास बाग में पौधरोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वृहद राजस्थान की स्थापना की गई थी, इसलिए उनकी सरकार ने पिछले वर्ष राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय किया था।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष 19 मार्च को यह गौरवशाली दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत स्वच्छता कार्यक्रम से हुई है।

शर्मा ने कहा, हमारा संकल्प है कि राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के मामले में भी देश का अग्रणी राज्य बने।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' प्रारंभ कर स्वच्छता को पूरे देश में जन-आंदोलन का रूप दिया है, यह मिशन केवल सड़कों और नालियों की सफाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे लोगों की व्यवहार में भी बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 और विकसित राजस्थान 2047 का सपना तभी साकार होगा, जब हर घर, गली, पार्क और स्मारक स्वच्छ होगा।

आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के उपयोग पर राजस्थान स्टेट गैस को राष्ट्रीय 'डायमण्ड अवार्ड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड (आरएसजीएल) को स्मार्ट गैस वितरण के क्षेत्र में आईओटी आधारित तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'डायमण्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक श्री रणवीर सिंह ने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंडिया स्मार्ट ग्रीड फोरम द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। आरएसजीएल की ओर से यह पुरस्कार उपमहाप्रबंधक श्री विवेक श्रीवास्तव और श्री सी.पी. चौधरी ने प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि कंपनी को यह पुरस्कार सीएनजी मदर स्टेशन पर आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए दिया गया है। आरएसजीएल द्वारा उन्नत आईओटी तकनीक के माध्यम से सीएनजी स्टेशनों का संचालन रियल टाइम निगरानी प्रणाली के आधार पर किया जा रहा है। इससे डेटा एकीकरण, स्वचालित प्रबंधन, डिस्पेंसर और कंप्रेसर संचालन, परिचालन डेटा की मॉनिटरिंग, ट्रैकिंग और शेड्यूलिंग जैसी गतिविधियां एकीकृत आईओटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित हो रही हैं। उप महाप्रबंधक श्री विवेक श्रीवास्तव और श्री सी.पी. चौधरी ने बताया कि सीएनजी मदर स्टेशन के इस ऑटोमेशन से कार्य में पारदर्शिता और रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।

इसके साथ ही मूल्य संशोधन प्रक्रिया भी अधिक सटीक और केंद्रीकृत तरीके से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल सीएनजी स्टेशनों के ऑटोमेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकारी स्कूल की होनहार छात्राओं को प्रधानाचार्य ने करवाई हेलीकॉप्टर में सैर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूल की तीन होनहार छात्राओं को प्रधानाचार्य ने अपने खर्चे से हेलीकॉप्टर की सैर करवाकर उनके एक सपने को पूरा कियाि। कक्षा 'टेस्ट' में अव्वल रहने वाली इन तीन छात्राओं ने शुक्रवार को हेलीकॉप्टर में बैठकर जयपुर का भ्रमण किया।

डीडवाना-कुचामन जिले के केराप गांव में राजकीय महात्मा गांधी स्कूल की तीन होनहार छात्राओं ने जयपुर के पास चौमूं से (प्रधानाचार्य) राजेंद्र ढाका के साथ हेलीकाप्टर की सैर की।

लगभग आधे घंटे की हवाई यात्रा में छात्राओं ने राजधानी जयपुर को आसमान से देखा तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। ढाका ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस यात्रा का सारा प्रबंधन व खर्च उन्होंने निजी स्तर पर किया। उन्होंने बताया कि इस सारी यात्रा पर लगभग एक लाख रुपए का खर्च आया। प्रधानाचार्य ने बताया कि स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा खुशी मेघवाल, रंजना नायक और ज्योति ने हाल ही में बोर्ड परीक्षा से पहले एक 'टेस्ट' में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया था।

उन्होंने बताया कि जब छात्राओं से पूछा गया कि वे पुरस्कार के रूप में क्या चाहती हैं, तो तीनों ने मजाक में कहा कि उन्हें हेलिकॉप्टर में घूमना है। ढाका ने कहा, बच्चियों व उनके माता पिता को भरोसा ही नहीं था कि ऐसा सच में होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे समाज में अच्छा संदेश जाएगा और बच्चियां भी आगे अधिक लगन से पढ़ाई को प्रोत्साहित होंगी।

छात्रा ज्योति ने मुस्कुराते हुए कहा, सर ने हमसे पूछा था कि हमारी क्या इच्छा है तो हमने बताया कि हमारी हेलीकाप्टर में बैठने की इच्छा है। हमने सोचा कि सर मजाक कर रहे हैं। पर एक दिन हमारे घर आए और कहा कि आपको हेलीकाप्टर में घुमाया जाएगा। हमें आश्चर्य हुआ पर आज हम यहां घूमने आए। छात्रा खुशी ने कहा कि सभी को बहुत अच्छा लग रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया होण्डा के पहले ईवी मॉडल का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। होण्डा की ओर से पहला इलेक्ट्रिक वाहन प्रदेश के टपूकड़ा संयंत्र में बनेगा, जिसका उत्पादन इसी वर्ष शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में होण्डा के पहले ईवी मॉडल (होण्डा 0 अल्फा) का अनावरण किया। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' की तैयारियों के तहत सितंबर 2024 में जापान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने होण्डा के शीर्ष प्रबंधन को यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' के आह्वान के समर्थन में राजस्थान में ईवी मॉडल निर्माण एवं निवेश के लिए आमंत्रण किया था। साथ ही, आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया था। जिसको लेकर होण्डा के प्रतिनिधिमंडल ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। ग्रीन मोबिलिटी के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित ऊर्जा एवं ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने और रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही, देश के ऑटोमोटिव भविष्य में राज्य की मजबूत भूमिका के लिए निवेशों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं होने एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन यहां होने से अर्थव्यवस्था की गति और तेज होगी।

शर्मा ने कहा कि होण्डा टपूकड़ा संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाने जा रही है, जो राजस्थान की प्रभावशाली निवेश नीतियों पर वैश्विक विश्वास का बेहतरीन प्रमाण है। इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण की दिशा में इसके बाद और निवेश बढ़ने की प्रबल संभावना होगी। साथ ही, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करने एवं पर्यावरणीय संतुलन के साथ औद्योगिक विकास की यात्रा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि होण्डा कम्पनी का राजस्थान से जुड़ाव काफी पुराना है। 2007 में कम्पनी के संयंत्र का शिलान्यास, 2014 में वाहनों का उत्पादन प्रारम्भ होना और अब 2026 में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के पहले उत्पादन के लिए टपूकड़ा संयंत्र का चयन राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से स्वच्छ परिवहन की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने हेतु ईवी खरीद पर अनुदान, सिंगल विण्डो सिस्टम के साथ चार्जिंग स्टेशन्स की स्थापना की जा रही है। साथ ही, 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहन को स्क्रैप कराने एवं नए वाहन की खरीद पर 'राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति' के तहत छूट भी दी जा रही है। बैठक के दौरान कंपनी की ओर से भारत में अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विस्तार के लिए योजनाएं भी साझा की गई। साथ ही बताया गया कि यहां उत्पादित मेड इन इंडिया ईवी मॉडल घरेलू बाजार के साथ ही कई देशों में निर्यात किए जाएंगे।

होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं सीईओ ताकाशी नाकाजिमा ने बताया कि टपूकड़ा संयंत्र भारत में होण्डा के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए कारों और पुर्जों का निर्माण करता है। अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर कंपनी की ओर से लिया गया यह फैसला महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने बताया कि होण्डा ने अपने सप्लायर्स और दोपहिया संयंत्र के जरिए राजस्थान में ऑटो और ऑटोपार्ट्स की सप्लाई चेन का एक पूरा इको-सिस्टम तैयार किया है। बैठक में जापान से आए होण्डा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने अपनी गलती स्वीकार की : खाचरियावास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता और सामाजिक चिंतक सोनम वामचुंग की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी शुरू से ही गलत थी और पूरे देश में इसका विरोध हुआ था। समाचार एजेंसी आईएएनएस से शनिवार को खास बातचीत में खाचरियावास ने कहा कि अब जब उनकी रिहाई के आदेश गृह मंत्रालय ने जारी किए हैं, तो यह साफ हो गया है कि सरकार ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक का सम्मान न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में किया जाता है। उनके कार्य, उनकी कार्यशैली और पर्यावरण व समाज के लिए किए गए प्रयास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते हैं। वांगचुक की छवि मानवता के हित में काम करने वाले व्यक्ति की है और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। खाचरियावास ने आगे कहा कि अब जब उन्हें रिहा किया जा रहा है तो केंद्र सरकार को जनता के सामने जवाब देना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी गिरफ्तारी क्यों की गई थी। केंद्र सरकार को सोनम वांगचुक से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि विचार-विमर्श के बाद सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, 24 सितंबर 2025 को लेह में उत्पन्न हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। मंत्रालय ने बताया कि एनएसए के तहत उन्हें हिरासत में रखे जाने की अवधि का लगभग आधा समय बीत चुका था।

सोनम वांगचुक की 170 दिन बाद रिहाई, जोधपुर सेंट्रल जेल से आए बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की 170 दिनों से चली आ रही हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई। केंद्र सरकार द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के निर्णय के बाद उन्हें शनिवार दोपहर जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। वांगचुक की मुश्किलों की शुरुआत 24 सितंबर 2025 को हुई थी, जब लद्दाख प्रशासन ने उन्हें हिरासत में लिया था। उन पर लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के दौरान हुई हिंसा को भड़कने का आरोप लगा था। इस हिंसा में दुर्भाग्यवश 4 लोगों की जान गई थी और 150 से अधिक लोग घायल हुए थे। सुरक्षा कारणों के चलते 26 सितंबर को उन्हें जोधपुर जेल स्थानांतरित कर दिया गया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि वांगचुक की रिहाई का फैसला उस वक्त आया जब 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में उनकी पत्नी गीतांजलि द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई होनी थी।

गृह मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से उनकी हिरासत खत्म की गई है। सरकार ने यह भी दोहराया कि वह संवाद के माध्यम से लद्दाख की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेल से बाहर आने के बाद और सोशल मीडिया के जरिए सोनम वांगचुक ने स्पष्ट कर दिया कि उनकी सक्रियता कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं अपने रुख से पीछे नहीं हटा हूँ। हमारा संघर्ष लद्दाख की सुरक्षा, गरिमा और यहाँ के भविष्य के लिए था और हमेशा रहेगा। उनकी रिहाई का लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने स्वागत किया है, जो लंबे समय से उनकी आजादी की मांग कर रहे थे।

घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल एसआईआर का विरोध कर रही : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस पर ''घुसपैठियों के अपने वोट बैंक को बचाने'' के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया उन्होंने दावा किया कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की वजह से कई क्षेत्रों की जनसांख्यिकी बदल गई है।

मोदी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला बोला और उस पर घुसपैठ को बढ़ावा देने, राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों से पहले ममता बनर्जी सरकार के लिए ''उल्टी गिनती शुरू हो गई है''। मोदी ने दावा किया कि कई जगहों पर ''जनसांख्यिकी बदल गई है', बंगाली हिंदुओं को ''जानबूझकर अल्पसंख्यक बनाया जा रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल उत्पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को एसआईआर प्रक्रिया से डर लगता है क्योंकि इससे अवैध मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''ये लोग

एसआईआर का विरोध इसलिए करते हैं ताकि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से न हटाए जा सकें और मतदाता सूची को शुद्ध न किया जा सके। वे तो मृत व्यक्तियों के नाम भी हटाने को तैयार नहीं हैं।'' मोदी ने दावा किया कि बंगाल में घुसपैठ सुरक्षा संबंधी एक बड़ा मुद्दा बन गया है और आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने चुनावी लाभ के लिए इसे बढ़ावा दिया है। मोदी ने आरोप लगाया, ''तृणमूल शासन में बेरोकटोक घुसपैठ के कारण बंगाल के कई इलाकों की जनसंख्या संरचना बदल गई है। तृणमूल जानबूझकर कई इलाकों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बना रही है।'' मोदी ने सत्तारूढ़ दल पर पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भागकर आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जब उत्पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने की बात आती है, तो तृणमूल इसका विरोध करती है क्योंकि वह उन्हें अपना वोट बैंक नहीं मानती है।'' मोदी ने ममता बनर्जी सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि राज्य प्रशासन आपराधिक तत्वों के समर्थन से काम करता है।

बंगाल की किसान हितैषी पहल से 1.4 करोड़ लोगों को लाभ हुआ : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि राज्य की किसान हितैषी पहल से 1.4 करोड़ लोगों को लाभ हुआ है। कृषक दिवस के अवसर पर बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट करके 2007 में इसी दिन नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारे गए 14 लोगों को श्रद्धांजलि दी और किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बनर्जी के अनुसार, राज्य ने अब तक कृषक बंधु (नई) योजना के तहत 30,051 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिससे 1.4 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, ''इस योजना के तहत लाभार्थियों को प्रतिवर्ष 10,000 रुपए मिलते हैं, जबकि बहुत कम भूमि वाले किसानों को न्यूनतम 4,000 रुपए मिलते हैं। यह राशि खरीफ और रबी के मौसम में दो किस्तों में सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है।''

बनर्जी ने कहा कि किसानों और बटाईदारों के अलावा, खेतिहर मजदूरों को भी दो किस्तों में सालाना 4,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मेघालय: हिंसा प्रभावित पश्चिम गारो हिल्स जिले में कर्फ्यू की अवधि बढ़ाई गई

मेघालय/भाषा। मेघालय के हिंसाग्रस्त पश्चिम गारो हिल्स जिले में कर्फ्यू की अवधि रविवार सुबह छह बजे तक बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी विभोर अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियम पूरे जिले में लागू रहेगा, हालांकि शनिवार को सुबह नौ बजे से अपराह्न तीन बजे तक आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए छूट दी जाएगी। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी गारो हिल्स जिले में लगाया गया कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा।

जिलाधिकारी आर पी मारक ने एक अन्य आदेश में कहा कि पूर्वी गारो हिल्स के विलियमनगर मेन बाजार को सुबह छह बजे से अपराह्न एक बजे तक खोलने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कर्फ्यू की अवधि के दौरान निवासियों को घर के अंदर रहने के लिए कहा गया है और दोनों जिलों में आवाजाही प्रतिबंधित है, सिवाय छूट के घंटों के दौरान। उन्होंने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों, मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को आदेश को सख्ती से लागू करने और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में गारो पर्वतीय स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान जनजातीय और गैर-जनजातीय समूहों के बीच झड़पें हो गई थीं। उन्होंने बताया कि हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी और कई संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। हिंसा के बाद मेघालय सरकार ने 10 अप्रैल को होने वाले जीएचएडीसी चुनाव को स्थगित कर दिया था।

एलपीजी 'लापता' गैस बन गई है : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि भारत को अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के खिलाफ रुख अपनाना चाहिए था, क्योंकि इसमें कई महिलाओं और बच्चों की जान गई है और भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका असर पड़ना शुरू हो गया है। सपा अध्यक्ष ने 'एलपीजी को 'लापता' गैस बताया और कहा कि यह आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है।

अखिलेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शांति का संदेश भेजकर और युद्ध को रोककर ''विश्वगुरु'' बन सकते थे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री और भाजपा के पास विश्वगुरु बनने का अवसर है... हमें युद्ध के खिलाफ़ रुख अपनाना चाहिए था। महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं, और भारत में युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है।'' यादव पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबू असिम आज़मी द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल होने

के लिए मुंबई पहुंचे। उन्होंने कहा कि शांति का संदेश भेजना और उस युद्ध को रोकना आवश्यक है, जिसमें कई लोगों की जान गई है।

यादव ने कहा, ''ऊर्जा सुरक्षा विदेश नीति से जुड़ी हुई है।''

एलपीजी सिलेंडर की 'कमी' के बीच लोगों के सिलेंडर के लिए कतार में खड़े होने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, सपा नेता ने कहा, ''एलपीजी 'लापता' गैस बन गई है जो आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है।''

सपा अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झूठ फैलाकर लोगों को बांटने का आरोप लगाते हुए इसे ''अफवाजीवी'' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह पार्टी केवल झूठ फैला सकती है, गुमराह कर सकती है और साजिशों में संलिप्त हो सकती है।

सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद सामने आया था : एएसआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यह स्वीकार किया है कि सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद सामने आया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एएसआई महानिदेशक वाई. एस. रावत ने कहा कि सारनाथ में सबसे पहले खुदाई का काम जगत सिंह ने कराया था, जिसके कारण इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व का पता चला। रावत ने बताया कि जगत सिंह के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने एएसआई को साक्ष्यों के दस्तावेज सौंपे थे, जिनसे यह साबित होता है कि इस स्थल पर पहली खुदाई जगत सिंह ने ही कराई थी।

वाराणसी से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित सारनाथ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, फलस्वरूप बौद्ध धर्म के प्रसार की शुरुआत हुई। प्रदीप नारायण सिंह ने बताया कि सारनाथ का इलाका कभी उनके परिवार की ज़मींदारी के अंतर्गत आता था और ऐतिहासिक रिकॉर्ड से पता चलता है कि बाबू जगत सिंह ने 1787-88 में वहां खुदाई का काम करवाया था। उन्होंने कहा, ''जगत सिंह ने उस इलाके में कुछ खुदाई का काम कराया था, जिसके परिणामस्वरूप अंततः इस स्थल की खोज हुई।'' रावत ने कहा कि सारनाथ परिसर में लगी पट्टिका (शिलालेख) में अब संशोधन कर दिया गया है, जिसमें जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देते हुए उनका नाम भी शामिल किया गया है।

यह संशोधन हाल में सारनाथ परिसर में लगाई गई नई पट्टिका में देखा जा सकता है। जहां पहले वाली पट्टिका में इस स्थल के पुरातात्विक महत्व की पहली खोज का श्रेय 1798 में ब्रिटिश अधिकारियों को दिया गया था, वहीं नई पट्टिका में यह बताया गया है कि इस स्थल का महत्व 18वीं सदी के आखिर में तब सामने आया, जब काशी के बाबू जगत सिंह ने निर्माण सामग्री के लिए एक प्राचीन टीले की खुदाई कराई थी, फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण पुरावशेषों की खोज हुई।

इस तरह, संशोधित शिलालेख इस जगह पर शुरुआती खुदाई के काम में जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देता है। साथ ही, वह यह भी बताता है कि कई पुरातत्वविदों ने बाद में खुदाई की, जिसमें तीसरी सदी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं सदी ईस्वी तक के मठ, स्तूप, मंदिर और मूर्तियां मिलीं।

वाराणसी के जगतगंज शाही परिवार के प्रतिनिधि और बाबू जगत सिंह के छठी पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने कहा कि उनके पूर्वज के ऐतिहासिक योगदान के बारे में शोध और दस्तावेज़ी सबूत इकट्ठा करने की कोशिशें लंबे समय से चल रही थीं। उन्होंने कहा, ''अब एएसआई ने औपचारिक रूप से यह मान लिया है कि सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद ही सामने आया था।''

प्रदीप नारायण सिंह ने कहा कि लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि सारनाथ और उसके प्राचीन अवशेषों की खोज अंग्रेजों ने की थी, लेकिन एएसआई की इस मान्यता से यह साफ़ हो गया है कि जगत सिंह ने उनसे पहले ही यह काम कर लिया था। प्रदीप नारायण सिंह के अनुसार एएसआई की यह मान्यता इस बात का भी संकेत है कि ब्रिटिश काल के दौरान बाबू जगत सिंह के योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया था और उन्हें सारनाथ की खोज का सही श्रेय नहीं मिला था।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल से सुरक्षा बलों ने एक प्रतिबंधित संगठन के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के न्यू चेकॉन इलाके से प्रतिबंधित संगठन 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी)' के चार सक्रिय सदस्यों को पकड़ा गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों के पास से पिस्तौल और गोलियों समेत हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

अरुणाचल प्रदेश में 189 वर्षों के बाद दुर्लभ पौधे की प्रजाति मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों को अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति 189 साल बाद दिखी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह प्रजाति 189 वर्ष पहले लोहित जिले में एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान अंतिम बार दर्ज की गई थी।

उन्होंने बताया कि 'हेंकेलिया मोनोफिला' नामक इस प्रजाति का दस्तावेजी उल्लेख 19वीं सदी की शुरुआत के बाद से नहीं मिला था इसलिए यह खोज पूर्वी हिमालय के वानस्पतिक अभिलेखों में एक महत्वपूर्ण योगदान है। हेंकेलिया मोनोफिला एक बारहमासी शाकीय पौधा है जो आमतौर पर आर्द्र वन वातावरण में पाया जाता है।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 189 साल बाद यह प्रजाति मिलने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति हेंकेलिया मोनोफिला के लगभग 189 वर्षों के बाद फिर से मिलने के बारे में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण की टीम को मेरी हार्दिक बधाई।

खांडू ने कहा, इस तरह की खोज न केवल वैश्विक वनस्पति ज्ञान में वृद्धि करती हैं बल्कि हमें हमारे राज्य में मौजूद पारिस्थितिक खजानों की याद भी दिलाती हैं।

मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने के कांग्रेस के प्रस्ताव पर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर शनिवार को सवाल उठाया कि यदि वह केंद्र में सत्ता में आती है तो बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

मायावती ने देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं से अन्य राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कांग्रेस द्वारा बसपा को कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने बी आर अंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया तो अब पार्टी कांशीराम को सम्मानित करने का प्रस्ताव कैसे रख सकती है। कांशीराम की जयंती रविवार को मनाई जाएगी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''कांग्रेस ने दलितों के मसीहा और संविधान के प्रमुख निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव

अंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया, न ही उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया... तो अब वही पार्टी कांशीराम को कैसे सम्मानित कर सकती है?''

उनकी यह टिप्पणी यहां कांग्रेस द्वारा आयोजित 'संविधान सम्मेलन' में पारित एक प्रस्ताव के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कि सत्ता में आने पर पार्टी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करेगी।

मायावती ने कहा, ''केंद्र में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने कांशीराम के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार ने भी राजकीय शोक की घोषणा नहीं की।'' उन्होंने कहा कि दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई संगठन और राजनीतिक दल, जो अक्सर बड़े राजनीतिक दलों के हाथों की कठपुतली बनकर काम करते हैं, बसपा को कमजोर करने की कोशिश करते हुए राजनीतिक लाभ के लिए कांशीराम के नाम का लगातार इस्तेमाल कर रहे हैं।

मायावती ने कहा, ''अब ये सभी दल कांशीराम द्वारा बनाई गई पार्टी बसपा को आए दिन अलग-अलग हथकंडे इस्तेमाल करके कमजोर करने में लगे हैं इसलिए उनके (कांशीराम के) अनुयायियों और समर्थकों को सतर्क रहना चाहिए, विशेष रूप से कांग्रेस के खिलाफ, जिसकी दलित विरोधी विचारधारा और मानसिकता ने बसपा के गठन को आवश्यक बना दिया।''

मणिपुर के नोनी में बम विस्फोट में एक बच्चे की मौत, पिता घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार को हुए बम विस्फोट में चार वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई और उसका पिता घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना खौपुम के ताओलिंगपुंग गांव में उस समय हुई जब बच्चे का पिता अपने घर के बाहर झाड़ियां हटाने का काम कर रहा था। उस दौरान बच्चा भी उसके साथ था। झाड़ियां हटाने के दौरान वहां छिपाकर रखा गया बम फट गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में बच्चे की मौत हो गई और 40 वर्षीय उसका पिता घायल हो गया, जिसे इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और बम के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

मयंक चक्रवर्ती ने इतिहास रचा, पूर्वोत्तर से पहले और भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया।

लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे। उन्होंने जरूरी 6.5 अंक जुटाए जो उनका अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पक्का करने के लिए काफी थे। आखिरी दौर में उन्होंने इंग्लिश इंटरनेशनल मास्टर जोना बी विलो के साथ एक रोमांचक ड्रॉ खेला और इस तरह अपने अब तक के सबसे यादगार प्रदर्शन पर मुहर लगा दी। इस प्रक्रिया में चक्रवर्ती ने 2500 ईएलको रेटिंग का अहम आंकड़ा भी पार कर लिया। उनकी मौजूदा रेटिंग इस सीमा से कुछ अंक ऊपर है जिससे अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार उनका ग्रैंडमास्टर खिताब पक्का हो गया है। चक्रवर्ती ने इस दौरान एक बाजी गंवाई, दो ड्रॉ खेले और बाकी छह बाजियां जीती। इस तरह उन्होंने कुल नौ में से सात अंक हासिल किए। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने नॉर्वे के एक्सेल बू क्लालॉय पर आधे अंक की बढ़त बनाई जिन्हें आखिरी दौर में वॉकओवर मिला था। चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे और अपने आयु वर्ग के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक रहे हैं।

अंडर-11 वर्ग में भारत और एशिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी चक्रवर्ती के लिए 2021 का सत्र बेहद शानदार रहा। उस साल उन्होंने यूरोप में कई टूर्नामेंट खेले जिससे उनकी ईएलओ रेटिंग 1800 से बढ़कर 2200 के करीब पहुंच गई। साथ ही वह 2009 या उसके बाद जन्में खिलाड़ियों की ईएलओ रैंकिंग में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी बन गए। उनकी असाधारण प्रतिभा की बदौलत वह अंडर-9 वर्ग में राष्ट्रीय रजत पदक और अंडर-11 वर्ग में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।

धोनी का आईपीएल में यह अंतिम सत्र हो सकता है: इरफान पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं।

सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर (मार्गदर्शक) की भूमिका निभा सकते हैं। इरफान ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''धोनी के बिना सीएसके की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हो सकता है कि इस सत्र में हम उन्हें आखिरी बार पीली जर्सी में देखें। लेकिन उनके बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''आईपीएल शुरू होने के साथ ही हम धोनी को फिर से खेलते हुए देखने लगते हैं। इसका मतलब है कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वह काफी फिट भी दिख रहे हैं।''

यह 44 वर्षीय खिलाड़ी इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में सीएसके शिविर में शामिल हो चुका है और कप्तान रितुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली टीम के साथ अभ्यास कर रहा है। पठान ने कहा कि धोनी

की भूमिका टीम का मार्गदर्शन करने और अगली पीढ़ी के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की हो सकती है। उन्होंने कहा, ''इस सत्र में धोनी सबको एकजुट करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मुझे नहीं पता कि वो कितने मैच खेलेंगे। लेकिन ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी से काफी मदद मिलेगी।'' पठान ने कहा, ''इससे संजू को फायदा होगा क्योंकि वह भी नेतृत्व समूह का हिस्सा होंगे। रितुराज गायकवाड़ कप्तान हैं। लेकिन इसके लिए दो या तीन खिलाड़ियों को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है। यहीं पर धोनी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। मुझे उम्मीद है कि वह कुछ अंतर पैदा करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''उनकी फिटनेस, बल्लेबाजी क्रम और क्या वे सभी मैच खेलेंगे, जैसे सवाल अब भी उठते रहेंगे। सीएसके का टीम प्रबंधन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा। वे निश्चित रूप से छठी आईपीएल ट्रॉफी जीतकर उन्हें शानदार विदाई देने की कोशिश करेंगे।'' धोनी ने आईपीएल में अब तक 278 मैच खेले हैं और 5,439 रन बनाए हैं। पिछले सत्र में उन्हें केवल डेश ओवरों में ही बल्लेबाजी करते हुए देखा गया था। उन्होंने तब 13 पारियों में 196 रन बनाए थे। सीएसके ने रविंद्र जडेजा को राजस्थान रॉयल्स को देकर उनकी जगह संजू सैमसन को अपनी टीम से जोड़ा था। राजस्थान रॉयल्स की टीम में जोस बटलर भी नहीं हैं।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ का मानना है कि दो स्थापित बल्लेबाजों के जाने के बाद राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को अब जिम्मेदारी संभालनी होगी। बांगड़ ने कहा, ''पहले उन्होंने जोस बटलर को जाने दिया और अब संजू सैमसन भी टीम में नहीं हैं। टीम के युवा बल्लेबाजों को ही अब आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालनी होगी।''

सुविचार

मौन रहना भी एक कला है। कभी-कभी चुप रहकर हम उन रिश्तों को बचा लेते हैं जो बहस करने से खत्म हो सकते थे।

ट्वीट

आज भी इस सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए, पोस्टर फड़वा दिए।

-नरेन्द्र मोदी

जयपुर और अजमेर जिलों के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के जयपुर किशनगढ़ खंड को फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड के निर्माण सहित 6-लेन में उन्नत करने हेतु 910.90 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किया जाना प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-दिया कुमारी

कहानी

एक लेखक का पुनर्जन्म

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भोर की पहली किरण अभी पेड़ों की ओट से झाँक ही रही थी कि अमलतास के पेड़ों पर टंगे पीले फूलों ने ओस की बूंदों को ज़मीन पर उतारना शुरू कर दिया। हवा में भीगी हुई मिट्टी और रात की रानी की मद्धम पड़ती खुशबू घुली हुई थी। प्रकृति का यह मौन उत्सव अभी शुरू ही हुआ था कि आलोक की नींद खुल गई। खिड़की के बाहर चहचहाते पक्षी जैसे किसी नए अध्याय का स्वागत कर रहे थे।

अमर उजाला काव्य के डिजिटल पटल पर अपना नाम और उसके ठीक नीचे अपनी उन चंद पंक्तियों को निहारना वीरेन्द्र के लिए महज़ एक सुखद संयोग नहीं था; यह उस ब्रह्मांडीय स्वीकृति की पहली मुहर थी, जिसके लिए वह न जाने कितनी गुमनाम रातों से तड़प रहा था। उस सुबह जब उसने ईमेल के इनबॉक्स में देखा और पाया कि उसकी रचना वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है, तो उसे लगा जैसे उसके अस्तित्व का कोई खोया हुआ हिस्सा उसे वापस मिल गया हो। वह नाम, जो अब तक केवल स्कूल के रजिस्टरों या सरकारी दस्तावेज़ों तक सीमित था, आज सार्वजनिक चेतना का हिस्सा बन गया था। उस दिन के बाद से जैसे उसके जीवन में एक अंतहीन सिलसिला शुरू हो गया। कभी किसी स्थानीय दैनिक में कोई छोटा सा लेख छप जाता, तो कभी किसी साहित्यिक पत्रिका के हाशिए पर उसकी कोई कविता जगह बना लेती। कभी-कभार किसी अनाम संपादक का संक्षिप्त और औपचारिक फोन आता, जो वीरेन्द्र के लिए किसी राजकीय सम्मान से कम नहीं होता था। उन दिनों उसे लगता था कि शब्द ही संसार हैं और इन शब्दों के माध्यम से वह दुनिया को बदल सकता है।

जब भी उसकी कोई रचना छपती, वह उसे कई बार पढ़ता। कभी पाठकों से प्रशंसा मिल जाती, कभी कोई सुझाव दे देता, तो वीरेन्द्र को लगता कि उसकी आवाज़ अब शून्य में नहीं भटक रही। उसे महसूस होता कि उसकी चेतना के तंतु समाज के उन अनछुए कोनों से जुड़ रहे हैं जहाँ तक वह स्वयं कभी नहीं पहुँच सका था। लेकिन जैसे-जैसे ख्याति के छोटे-छोटे द्वीप आकार लेने लगे, उसके भीतर कुछ अनकहे और चुभने वाले सवाल भी पनपने लगे। वह अक्सर आधी रात को अपनी ही लिखी पंक्तियों को पढ़ता और सोचता कि क्या यह सब वास्तव में असली है? क्या लोग उसके शब्दों की गहराई तक जा पा रहे हैं, या वे केवल उस नाम के पीछे भाग रहे हैं जिसे अब 'उभरता हुआ लेखक' कहा जाने लगा था? क्या उसकी कहानियाँ उन झुर्रियों वाले चेहरों, उन धूल भरे गाँवों और उन सूनी आँखों तक पहुँच पा रही हैं जिनके दुःख को उसने अपनी कहानी का आधार बनाया था?

एक दिन एक अनजान नंबर से उसके पाठक ने उसे फोन किया। उसने बताया कि उसकी ताज़ा कहानी पढ़कर उसे अपने पुरखों का वह घर याद आ गया जो बरसों पहले बाढ़ की भेंट चढ़ गया था। वह पाठक अपनी व्यथा सुनाने लगा और वीरेन्द्र चुपचाप सुनता रहा। उस दिन वीरेन्द्र के भीतर एक अनकही तृप्ति भर गई। उसे पहली बार लगा कि लेखक की सार्थकता किसी पुरस्कार में नहीं, बल्कि उस एक व्यक्ति की आँखों की नमी में है जो उसके शब्दों के साथ अपनी साँसें साझा कर रहा है। उसे लगा कि वह अब अकेला नहीं है। लेकिन विडंबना यह थी कि इसी संतोष के गर्भ से एक गहरा संदेह भी जन्म ले रहा था।

रात के सन्नाटे में, जब पूरा घर गहरी नींद में होता, वीरेन्द्र अपनी पुरानी कहानियों के पुलिंदे निकालकर मेज़ पर फैला देता। वह हर वाक्य को, हर विराम चिह्न को ऐसे देखता जैसे वह किसी अजनबी की कृति हो। कई बार उसे लगता कि उसकी कहानियाँ भाषाई दृष्टि से बहुत सुंदर हैं, उपमाएँ सटीक हैं और विस्तार अद्भुत है, लेकिन क्या वे सच हैं? उसे याद आता कि उसके पात्र कहीं आकाश से नहीं टपके थे। वे उसी गाँव की सौंधी मिट्टी से उपजे थे जहाँ उसका बचपन बीता था। वे खेतों में काम करने वाली वे स्त्रियाँ थीं जिनकी पीठें जेठ की तपती धूप में झुलसकर काली पड़ गई थीं, लेकिन जिनकी आँखों में कभी व्यवस्था के प्रति कोई औपचारिक शिकायत नहीं दिखी। वे बूढ़े किसान थे जो हर साल मानसून की पहली फुहार के साथ नई उम्मीदें बोते थे और हर बार कर्ज़ के बोझ तले कुछ और टूटकर लौटते थे।

वीरेन्द्र खुद से पूछता क्या वह वास्तव में उनकी पीड़ा को शब्द दे पा रहा है? या वह केवल उनके दुखों को सुंदर, कलात्मक वाक्यों में सजाकर एक साहित्यिक उत्पाद बना रहा है? यह विचार उसे भीतर तक हिला देता। जब समाज के प्रबुद्ध लोग उससे कहते, वीरेन्द्र जी, आपने ग्रामीण जीवन का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है, तो उसके भीतर का रचनाकार धीरे से फुसफुसाता क्या यह वास्तव में उनकी आवाज़ है, या उसकी कल्पना का एक सुविधाजनक विस्तार? क्या उसने उन औरतों के पसीने की गंध को सचमुच महसूस किया है, या उसने केवल उस गंध के बारे में एक 'सुंदर' गल्प लिख दिया है? यह नैतिक द्वंद्व एक साये की तरह उसके पीछे चलने लगा। उसे लगने लगा कि सौंदर्य और सत्य के बीच एक बारीक रेखा होती है, और वह शायद केवल सौंदर्य के पाले में खड़ा होकर सत्य का तमाशा देख रहा है।

समय के साथ उसका लेखन बदलने लगा। अब वह केवल घटनाएँ नहीं लिखता था। वह उनके पीछे छिपे मौन को पकड़ने की कोशिश करता। उसे समझ आने लगा था कि जो कहा गया है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण वह है जो अनकहा रह जाता है।

एक शाम वह शहर के एक पुराने पुस्तकालय में बैठा था। वहाँ की हवा में पुरानी जिल्दों, धूल और वक्त की एक मिली-जुली महक थी। ऊँची लकड़ी की अलमारियों में बंद हजारों किताबें जैसे अपने-अपने समय की गवाही दे रही थीं। बाहर डूबती हुई धूप की पीली किरणें खिड़की के कांच से छनकर फर्श पर एक टेढ़ा-मेढ़ा आकार बना रही थीं।

वीरेन्द्र अपनी डायरी में किसी नई कहानी के शुरुआती वाक्य को लेकर जूझ रहा था। उसे लग रहा था कि शब्द उसके वश में नहीं आ रहे। तभी एक बहुत ही वृद्ध व्यक्ति, जिनके चेहरे पर अनुभवों की गहरी लकीरें थीं, उनके पास आकर बैठ गए।

उन बुजुर्ग ने बिना कुछ कहे वीरेन्द्र की डायरी के बिखरे पन्नों को कुछ देर तक देखा, फिर एक धीमी लेकिन असरदार मुस्कान के साथ बोले, तुम वीरेन्द्र हो न? मैंने तुम्हारी कुछ कहानियाँ पढ़ी हैं।

वीरेन्द्र थोड़ा झेंप गया और संकोचवश अपनी डायरी बंद करने लगा। बुजुर्ग ने उसका हाथ रोक लिया और कहा, घबराओ मत। तुम्हारे पास अब काफी कहानियाँ इकट्ठी हो गई हैं। क्यों न इन्हें एक संग्रह का रूप दे देते?

वीरेन्द्र चुप रहा। बुजुर्ग ने आगे कहा- याद रखना बेटा, एक किताब सिर्फ लेखक का सपना नहीं होती। वह उसके समय की गवाही होती है। अगर तुम नहीं लिखोगे, तो यह समय यूँ ही गुज़र जाएगा।

उनकी यह बात वीरेन्द्र के भीतर कहीं गहराई तक उतर गई। उसने अब तक लेखन को एक व्यक्तिगत अभिव्यक्ति या छोटी-मोटी प्रशंसा का माध्यम माना था, लेकिन उस बुजुर्ग ने उसे एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी का अहसास करा दिया था। लेकिन इसी जिम्मेदारी के साथ एक नया डर भी जाग उठा। किताब छपना एक सुखद कल्पना तो थी, पर क्या वह इस भारी बोझ को उठाने के लिए तैयार था? क्या उसकी कहानियाँ इतनी सामर्थ्यवान थीं कि वे आने वाली पीढ़ियों के सामने उसके समय का प्रतिनिधित्व कर सकें?

घर लौटकर उसने अपने पुराने लेखन को समेटना शुरू किया। कंप्यूटर की वर्ड फाइलों में बिखरी कहानियाँ, पुरानी नोटबुक्स के पीले पड़ चुके पन्ने के पीछे लिखे हुए आधे-अधूरे विचार-सब धीरे-धीरे एक पांडुलिपि की शक्ल लेने लगे।

हर कहानी उसे अपने एक बच्चे की तरह लगती थी, जिसे वह अब दुनिया के क्रूर और आलोचनात्मक बाज़ारों में छोड़ने जा रहा था। किसी कहानी में उसके गाँव की कच्ची सड़कों की धूल उड़ने लगती, तो किसी में शहर की तन्हाई का दम घोंटू अहसास था। कहीं खेतों में लहलहाती फसल की महक थी, तो कहीं बस अड्डों पर खड़ी बसों के पीछे छूटती उदासी। जब उसने आखिरकार वह पांडुलिपि एक प्रतिष्ठित प्रकाशक को भेजी, तो उसका मन दो विपरीत दिशाओं में खिंचने लगा। एक तरफ एक उजली उम्मीद थी कि अब उसके शब्द एक जिल्द के भीतर सुरक्षित हो जाएंगे, उन्हें एक घर मिल जाएगा। दूसरी तरफ एक डरावना संदेह था कि कहीं यह किताब बाज़ारवाद की भेंट न चढ़ जाए, कहीं यह किसी अंधेरे गोदाम के कोने में धूल फांकती न रह जाए।

प्रकाशक के साथ होने वाली ईमेल वार्ता, फोन कॉल उसे किसी अग्नि-परीक्षा की तरह लगते। कुछ महीनों बाद जब पहली बार 'प्रूफ' की कॉपी उसके पास आई, तो वीरेन्द्र को एक विचित्र अनुभव हुआ। उसे अपनी ही लिखी रचनाओं में हज़ारों कमियाँ नज़र आने लगीं। कहीं शब्द गलत लगा, तो कहीं अंत कमजोर लगा।

किसी कहानी का शीर्षक उसे अचानक बेतुका लगने लगा। उसे लगा कि एक शब्द गलत इस्तेमाल हुआ है, जो पूरी संवेदना को ही बदल रहा है। वह घंटों बैठकर हर पंक्ति को सुधारता। वह शब्दों की काट-छाँट ऐसे करता जैसे कोई माँ अपने बच्चे के फटे हुए कपड़ों को बड़े जतन से रफू कर रही हो। उसे डर था कि उसकी एक छोटी सी लापरवाही उन लोगों के साथ अन्याय होगी जिनके जीवन पर उसने यह कहानियाँ लिखी हैं।

फिर वह दिन आया जब किताब अंतिम रूप से प्रेस में चली गई। और यहीं से शुरू हुआ इंतज़ार का वह लंबा दौर। इन दिनों वीरेन्द्र की आँखों से नींद जैसे कोसों दूर चली गई थी। वह अक्सर रात के दो-तीन बजे उठकर खिड़की के पास बैठ जाता और बाहर पसरी सुनसान सड़क को देखता। उसे महसूस होता जैसे उसके पात्र वे बूढ़े किसान, वे झुलसी पीठ वाली औरतें, वे उदास बच्चे उस अँधेरी सड़क पर भटक रहे हैं और अपनी मुक्ति का इंतज़ार कर रहे हैं। उसे डर लगता कि कहीं यह किताब उन्हें कागज़ के पन्नों के बीच कैद न कर दे। क्या उन्हें सचमुच वह जीवन दे पाएगा जिसका वादा उसने अपनी कलम से किया था? या वह भी एक और सफल लेकिन खोखला लेखक बनकर रह जाएगा?

एक सुबह, जब ओस की बूंदें अभी पत्तों पर सोई ही थीं, उसके दरवाज़े पर एक ज़ोरदार दस्तक हुई। वीरेन्द्र ने दरवाज़ा खोला तो देखा कि डाकिया एक आयताकार पैकेट लिए खड़ा था। पैकेट पर प्रकाशक का नाम देखते ही वीरेन्द्र के हाथ काँपने लगे। उसने बहुत ही सावधानी से पैकेट को खोला, जैसे उसके भीतर कोई बहुत नाज़ुक चीज़ रखी हो। पैकेट खुलते ही ताज़े कागज़, स्याही और गोंद की वह विशिष्ट महक कमरे में तैर गई जो केवल नई किताबों से आती है। पहली बार उसकी किताब उसके हाथों में थी।

मुखपृष्ठ पर अपना नाम लेखक के रूप में देखकर वीरेन्द्र की आँखों के सामने अमर उजाला की वह पहली कविता कौंध गई। उसने काँपते हाथों से किताब के पन्ने को पलटने लगा। उसने पहली कहानी पढ़ी, फिर दूसरी। उसे लगा जैसे उसके शब्द अब उसके नहीं रहे, वे अपनी स्वतंत्र सत्ता पा चुके हैं। उसकी आँखों के कोरों में नमी उतर आई। वह फूट-फूटकर रोया नहीं, लेकिन उसके भीतर जो एक बेचैनी थी, जो एक द्वंद्व था, वह अचानक शांत हो गया। उसे लगा कि उसने एक बहुत लंबी और थका देने वाली दौड़ का पहला पड़ाव पार कर लिया है। अब वह केवल एक लेखक नहीं था, वह एक आवाज़ था।

उस शाम जब पूरे घर में एक गरिमामय सन्नाटा पसरा था, वीरेन्द्र ने उस किताब को अपनी मेज़ के ठीक बीचों-बीच रखा और घंटों उसे देखता रहा। चाँद की दूधिया रोशनी खिड़की से भीतर आकर किताब के कवर पर लिखे उसके नाम को चमका रही थी। तभी उसे एक बिल्कुल नए और मौलिक सत्य का अहसास हुआ। उसने महसूस किया कि किताब का छपना मंज़िल नहीं है। यह तो केवल उस यात्रा का एक नया मोड़ है। लेखक होने का असली अर्थ केवल पन्नों पर नाम छपवाना नहीं है, बल्कि उस निरंतर जिम्मेदारी को ढोना है जो उन लोगों के प्रति है जो खुद नहीं बोल सकते।

उसने अपनी वह पुरानी, फटी हुई नोटबुक दोबारा खोली और एक नया पन्ना पलटा। उसने फिर से लिखना शुरू किया। लेकिन इस बार उसके शब्दों में कोई दिखावा नहीं था, कोई कृत्रिम सौंदर्य नहीं था। इस बार वह उन लोगों के बारे में लिख रहा था जिनकी कहानियाँ उसने किताब में कह दी थीं, लेकिन जिनका जीवन अभी भी उसी संघर्ष में फंसा था। उसे समझ में आ गया था कि लेखक का असली पुरस्कार उसकी किताब की 'रॉयल्टी' या 'प्रशंसा' नहीं है, बल्कि वह ईमानदारी है जिससे वह समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की आँखों में झाँक सके।

उस रात वीरेन्द्र का वह छोटा सा कमरा एक पाठशाला बन गया था। एक ऐसी जगह जहाँ वह अपनी पिछली गलतियों से सीख रहा था और एक नई, अधिक मानवीय दुनिया की नींव रख रहा था। उसने जान लिया था कि शब्द कभी मरते नहीं हैं। वे केवल समय की चादर ओढ़कर सो जाते हैं और जब कोई सच्चा रचनाकार उन्हें अपनी संवेदना की गर्मी देता है, तो वे फिर से जी उठते हैं। लेखक की मृत्यु तब नहीं होती जब उसकी सांसें रुकती हैं, बल्कि तब होती है जब वह सच लिखना छोड़ देता है। वीरेन्द्र ने अपनी कलम उठाई और उस अनंत यात्रा की ओर चल पड़ा जहाँ शब्द केवल शब्द नहीं, बल्कि मनुष्यता का बचा हुआ हिस्सा थे। उसे अहसास हुआ कि इसी बदलते रूप और निरंतर संघर्ष में एक लेखक का बार-बार पुनर्जन्म होता है।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

सार्थक

जीवन मानो एक दौड़ है। जिस किसी से पूछो, कहता है; वह दौड़ना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है। फिर बताता है कि अब तक जीवन में कितना आगे बढ़ चुका है। अलबत्ता कभी विचार किया कि आगे यानी किस ओर बढ़ रहे हैं? मनुष्य प्रतिप्रश्न दागता है कि यह कैसा निरर्थक विचार है? स्वाभाविक है कि जीवन की ओर बढ़ रहे हैं। सच तो यह है कि प्रश्न तो सार्थक ही था पर मनुष्य का उत्तर नादानी भरा है। जीवन की ओर नहीं बल्कि मनुष्य मृत्यु की ओर बढ़ रहा होता है।

भयभीत या अशांत होने के बजाय शांत भाव से तार्किक विचार अवश्य करना चाहिए। मनुष्य चाहे न चाहे, कदम बढ़ाए, न बढ़ाए, पहुँचेगा तो मृत्यु के पास ही। मनुष्य के वश में यदि पीछे लौटना होता तो वह बार-बार लौटता, अनेक बार लौटता, मृत्यु तक जाता ही नहीं, फिर लौट आता, चिरंजीवी होने का प्रयास करता रहता।

स्मरण रखना, मृत्यु का कोई एक गंतव्य नहीं है, बल्कि यात्रा का हर चरण मृत्यु का स्थान हो सकता है, मृत्यु का अधिष्ठान हो सकता है। विधाता जानता है मनुष्य की वृत्ति, यही कारण है कि कितना ही कर ले जीव, पीछे लौट ही नहीं सकता। जिज्ञासा पूछती है कि लौट नहीं सकते तो विकल्प क्या है? विकल्प है, यात्रा को सार्थक करना।

सार्थक जीने का कोई समय विशेष नहीं होता। मनुष्य जब अपने अस्तित्व के प्रति चैतन्य होता है, फिर वह अवस्था का कोई भी पड़ाव हो, उसी समय से जीवन सार्थक होने लगता है।

एक बात और, यदि जीवन में कभी भी, किसी भी पड़ाव पर मृत्यु आ सकती है तो किसी भी पड़ाव पर जीवन आरंभ क्यों नहीं हो सकता? इसीलिए कहा है,

कदम उठे,
यात्रा बनी,
साँसें खर्च हुईं
अनुभव संचित हुआ,
कुछ दिया, कुछ पाया
अर्द्धचक्र पूर्ण हुआ,
भूमिकाएँ बदलीं-
शेष साँसों को
पाथेय कर सको
तो संचय सार्थक है
अन्यथा
श्वासोच्छवास व्यर्थ है..!

ध्यान रहे, जीवन में वर्ष तो हरेक जोड़ता है पर वर्षों में जीवन बिरला ही फूँकता है। आपका बिरलापन प्रस्फुटन के लिए प्रतीक्षारत है।

बोध कथा

विद्या का फल

परीक्षा समाप्त हो चुकी और अज़ाज़ील शैतान बनाकर निकाला जा चुका तो अल्लाह ने आदम को आज्ञा दी कि तुम ज़न्नत में निवास करो और उसमें से जो कुछ तुम्हें पसन्द आए खाओ, लेकिन इस एक वृक्ष के समीप कभी न जाना, नहीं तो तुम अन्यायी हो जाओगे। यह वृक्ष विद्या का था, जिसके फल खाने से बुरे-भले की पहचान होती है। आदम ज़न्नत में प्रविष्ट हो गया तो खुदा ने कहा-यह अच्छा नहीं कि आदम अकेला रहे, मैं उसके लिए एक साथी उसके योग्य बनाऊँगा। और खुदा ने आदम को बहुत गहरी नींद में सुला दिया। आदम सो रहा था तो खुदा ने उसकी पसलियों में से एक पसली निकाली और उसके बदले गोश्त भर दिया। इस पसली से खुदा ने एक औरत बनाई और उस औरत को आदम के पास लाया। कहते हैं कि पुरुषों के शरीर में स्त्रियों के शरीर से एक पसली इसीलिए कम होती है कि आदम की वह पसली निकाल ली गई थी। पसली से बनी औरत को देखकर आदम ने कहा कि यह मेरी हड्डियों में से हड्डी और मेरे गोश्त में से गोश्त है इसलिए यह नारी कहलाएगी क्योंकि यह नर में से निकाली गई है। आदम की स्त्री को हौवा' इसलिए ही कहा जाता है कि वह 'हय्यन' अर्थात जिन्दे पुरुष से पैदा की गई है!

शैतान खुदा के दरबार से निकाल दिया गया तो उसकी आँखें उसकी छाती पर आ गईं और वह मन-ही-मन कोई उपाय सोचने लगा, जिससे कि हज़रत आदम को जन्नत ने निकाला जा सके। सोचते-सोचते जब उसे यह मालूम हुआ कि आदम को एक वृक्ष के फल खाने से रोक दिया गया है, तो वह बड़ा प्रसन्न हुआ और सोचने लगा-अब मुझे वहाँ पहुँचकर शीघ्र ही छापा मारना चाहिए। वह मंत्र के द्वारा तुरन्त जन्नत के फाटक पर पहुंचा और दहाड़ मार-मार रोने लगा। उसका रोना मोर ने सुन लिया। वह यह समझकर कि किसी फरिश्ते पर मुसीबत आ गई, सहायता करने के लिए उसके पास दौड़ा आया और उसके रोने का कारण पूछने लगा। शैतान ने कहाभाई, मैंने सुना है कि ज़न्नत बहुत खूबसूरत और देखने लायक जगह है, इसलिए मेरा मन उसे देखने को चाहता है। अगर किसी तरह आप मुझे वहाँ की सैर करा दें तो मैं आपका बड़ा एहसानमंद हूँगा और आपको जादू-टोने की विद्या भी सिखला दूंगा।

मोर ने उत्तर दिया-आप घबराइये नहीं। आजकल ज़न्नत के फाटक का दरबान साँप है; और वह मेरा बड़ा निकट का मित्र है। मैं जरूर आपके ज़न्नत देखने का इन्तज़ाम कर दूंगा। यह कहकर और उसे साथ लेकर वह सीधा ज़न्नत के फाटक पर आया और साँप से कहा-यह मेरे मित्र हैं। आप कृपा करके इन्हें ज़न्नत दिखला दीजिए। साँप ने कहा-ज़न्नत के फाटक में तो किसी को पाँव रखने की आज्ञा भी नहीं है, इसलिए मैं आपकी आज्ञा का पालन करने में असमर्थ हूँ।

यह सुनकर शैतान बोल उठा-यदि आप मुझ पर कृपा करना चाहें तो मैं आपको ऐसी तरकीब बतला सकता हूँ जिससे आप पर किसी प्रकार का आरोप भी न लगाया जा सके और काम भी हो जाए। वह तरकीब यह कि मैं आपके मुँह में बैठकर फाटक को लाँघ जाऊँगा। आपको कसम खाने के लिए जगह रह जाएगी कि मैंने सिवाय अपने, किसी को फाटक में कदम भी नहीं रखने दिया। साँप की समझ में यह बात आ गयी और शैतान उसके मुँह में बैठकर दरवाजे के पार हो गया। साँप तो फिर अपनी जगह आ डटा और शैतान घूमता-फिरता आदम और हौवा के पास जा पहुँचा। उनसे कुछ देर इधर-उधर की बातें करने के बाद उसने पूछा-तुम उस वृक्ष का फल क्यों नहीं खाते?

उन्होंने उत्तर दिया-हमारे प्रभु ने मना कर रखा है। तब शैतान ने बड़े विस्मय के साथ पूछा-अल्लाह ने मना कर रखा है? उन्होंने उत्तर दिया-हाँ। फिर शैतान बोला-अगर तुम इस वृक्ष के फल को खा लो तो निःसन्देह फरिश्तों की भाँति सदा-सदा के लिए अमर हो जाओ। उन्हें इस बात पर विश्वास न आया, इसलिए उन्होंने कहा-हम अपने प्रभु की आज्ञा का उल्लंघन नहीं कर सकते।

तब शैतान ने खुदा की कसम खाकर कहा-मैं सच कहता हूँ कि तुम फल खाने से जरूर ही मृत्यु के भय से बच जाओगे और खुदा को तुम्हारी यह बात भी मालूम न होगी। कसम खाने पर उन्हें विश्वास आ गया, क्योंकि उस समय कोई भी झूठी कसम न खाता था। शैतान के चकमे में आकर उन्होंने फल को तोड़कर खा लिया। बस, फिर क्या था-शैतान हँसी के मारे लौट-पोट हो गया और यह कहता हुआ फाटक से बाहर हो गया कि मैंने आदम को गुमराह करने की जो प्रतिज्ञा की थी, उसे पूरा कर दिया। अब इसी तरह औरों को भी गुमराह किया करूँगा, क्योंकि जब मेरा छापा अल्ला मियाँ की ज़न्नत में ही लग गया तो फिर दुनिया का तो कहना हो क्या? उधर फल खाते ही आदम और हौवा की ज्ञान की आँखें खुल गईं और उन्हें मालूम होने लगा कि हम बिलकुल नंगे हैं और इस तरह नंगे रहना उचित नहीं है। अपने अंगों को ढकने के लिए वे वृक्षों के पत्ते तोड़ने दौड़े, लेकिन उनके बाल खजूर के वृक्षों जितने लम्बे थे इसलिए वे दूसरे वृक्षों में उलझ गये।

वीर गाथा

लांस नायक विकास चौधरी: गोलियों की बौछार में आगे बढ़कर आतंकवादी को किया धराशायी

लांस नायक विकास चौधरी का जन्म हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मरियारी गांव में हुआ था। माता सिमरो देवी और पिता राजकुमार के बेटे विकास ने आतंकवाद-रोधी अभियान में असाधारण साहस दिखाया था। वे जम्मू-कश्मीर राइफल्स में भर्ती हुए थे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की तीसरी बटालियन में भेज दिया गया।

भारतीय सेना को 6 मई, 2022 को आतंकवादियों के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद अनंतनाग जिले के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान मेजर अपूर्व सुहास के नेतृत्व में विकास चौधरी भी तैनात थे।

दोपहर लगभग 3 बजे, एक आतंकवादी ने भागने की कोशिश की। साथ ही, जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय लांस नायक विकास चौधरी ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अद्भुत साहस दिखाया। उन्होंने गोलीबारी की और आतंकवादियों पर दबाव बनाया। उसके बाद रेंगते हुए आगे बढ़ने लगे।

लांस नायक विकास चौधरी ने सैन्य सूझबूझ दिखाई। उन्होंने अपने साथी की ओर संकेत किया, जिसके बाद उसने गोलीबारी कर विकास के लिए आगे बढ़ने का रास्ता बनाया। उधर, आतंकवादियों को पता ही नहीं चला कि विकास उनके बिल्कुल निकट पहुंच गए हैं। विकास चौधरी एक आतंकवादी की ओर बढ़े, उसे निशाने पर लिया और धराशायी कर दिया। बाद में पता चला कि मारा गया आतंकवादी बहुत खतरनाक शख्स था। वह अनेक देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त था। लांस नायक विकास चौधरी ने असाधारण शौर्य और साहस का प्रदर्शन करते हुए वीरता की मिसाल कायम की। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राम गोपाल वर्मा अगले महीने शुरू करेंगे 'सरकार 4' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक और निर्माता राम गोपाल वर्मा एक बार फिर अपनी चर्चित फिल्म के नए पार्ट के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। निर्देशक ने बताया कि वह अपनी पॉलिटिकल क्राइम फ्रेंचाइजी 'सरकार' के पार्ट 'सरकार 4' की शूटिंग अगले महीने से शुरू करने वाले हैं।

यह जानकारी उन्होंने मुंबई में आयोजित रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दी। 'सरकार' फ्रेंचाइजी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। इसके पहले भी कई पार्ट्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। ऐसे में 'सरकार 4' की घोषणा ने दर्शकों के बीच नई उत्सुकता पैदा कर दी है। निर्देशक ने इस मौके पर अपने पुराने अनुभवों और फिल्म के बारे में भी बात की।दरअसल, राम गोपाल वर्मा फिल्म फेस्टिवल में अपनी चर्चित फिल्म 'शिवा' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे थे।

फेस्टिवल में जब इस फिल्म को फिर से दिखाया गया, तो निर्देशक ने इसके निर्माण से जुड़ी कई यादें साझा कीं।उन्होंने बताया, ''इस फिल्म को बनाने के लिए मैं कई अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों से प्रेरित था।

प्रदर्शन

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पंढेर ने विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मीडिया को संबोधित किया। पंजाब के किसान लगातार अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में अमेरिका अपने अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डरहम। अमेरिका के लोगों की दुनिया के भूगोल के बारे में कम समझ होने की छवि रही है और मौजूदा अमेरिकी प्रशासन भी इससे अलग नहीं है, खासकर जब सही ढंग से पहचानने की बात आती है कि अमेरिका की भौगोलिक सीमा में कौन सा क्षेत्र आता है और कौन-सा नहीं है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रैल 2025 का सरकारी आदेश, ''अमेरिका के अपतटीय महत्वपूर्ण खनिजों का पता लगाना'', इसका एक उदाहरण है। इसका उद्देश्य अमेरिकी अधिकार क्षेत्र के भीतर और उससे बहुत दूर स्थित समुद्री तल के खनिजों का ''पता लगाना'' है। अमेरिका के समुद्र तल में पाये जाने वाले खनिज अमेरिका के हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल पर पाए जाने वाले खनिज ''अमेरिका के'' नहीं हैं। फिर भी, प्रशासन कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में खनन करने की अनुमति देने की योजना बना रहा है। मैंने 1994 में समुद्री कानून के लागू होने के बाद से महासागरों को नियंत्रित करने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौतों और नियमों का अध्ययन किया है।

अमेरिका आधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुरक्षित करने का प्रयास कर रहा है। इन सामग्रियों में बड़ी बैटरियों के लिए निकेल, मैंगनीज और कोबाल्ट तथा बिजली ग्रिड के लिए तांबा शामिल हैं। ये सभी भूमि पर पाए जाते हैं, लेकिन इनमें से कुछ समुद्र की तलहटी में भी पाए जा सकते हैं। विशेष रुचि के विषय हैं पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स आलू से भी छोटे आकार के समूह, जिनमें मैंगनीज और अन्य धातुएं होती हैं और जो गहरे समुद्र तल की गाद में पाए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के एक खनन अधिकारी ने इन पिंडों को ''चट्टान में लगी इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी'' के रूप में वर्णित किया। सितंबर 1945 में, राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने अमेरिका के तटों से लेकर समुद्र तल तक फैले एक बड़े हिस्से पर अपना दावा जताया था। ये क्षेत्र ट्रूमैन के दावे से पहले अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा थे। इसके जवाब में, दुनियाभर के देशों ने अगले पांच दशकों में एक ऐसी प्रणाली तैयार करने में समय लगाया जिससे यह सीमित हो सके कि तटीय देश समुद्र तल के कितने हिस्से पर दावा कर सकते हैं, और महासागरों के शेष साझा क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले नियम स्थापित किए जा सकें।

अमेरिका में आज दुनिया के सबसे बड़े विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। इन क्षेत्रों में, अमेरिका समुद्री तल के खनिजों समेत सजीव और निर्जीव प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और प्रबंधन को नियंत्रित करता है।

ट्रंप का अपतटीय खनन आदेश 1980 में अधिनियमित एक अमेरिकी कानून पर आधारित है, जिसे क्षेत्र से संबंधित वार्ताओं के पूरा होने तक एक अंतरिम उपाय के रूप में लागू किया गया था। अमेरिका समुद्री कानून संधि का पक्षकार नहीं है, इसलिए वह इस संधि से बाध्य नहीं है।

लेकिन विशेषज्ञों में इस बात को लेकर मतभेद है कि क्या अमेरिका द्वारा एकतरफा खनन से अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों से उत्पन्न दायित्वों का उल्लंघन होगा। हां, अमेरिका को आवश्यक खनिजों की आवश्यकता है, लेकिन इन खनिजों को हासिल करने के लिए उसे अंतरराष्ट्रीय महासागरीय व्यवस्था को कमजोर नहीं करना चाहिए एक ऐसी व्यवस्था जिसे उसने स्वयं बनाया है और जिससे उसे शायद किसी भी अन्य राष्ट्र से अधिक फायदा मिलता है।

विजेता

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शनिवार को मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका। वे अपने साथ खउउ टी20 विश्व कप 2026 की ट्रॉफी भी लेकर आए थे और जीत के लिए आभार व्यक्त किया।

सस्ती, अच्छी शिक्षा के चलते भारतीय छात्रों का यूरोप, सिंगापुर की ओर रुझान बढ़ा: रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के कारण भारतीय छात्र तेजी से स्पेन, जर्मनी, सिंगापुर, यूएई और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को पढ़ाई के लिए चुन रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

शिक्षा क्षेत्र पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ऑक्सिलो फिनसर्व की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अब भी भारतीय छात्रों के लिए काफी आकर्षक बने हुए हैं, खासकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए। हालांकि, अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अन्य देशों को भी तेजी से अपने विकल्प के रूप में चुन रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इस बदलाव के पीछे कम लागत, अच्छे शिक्षण संस्थान, वीजा के आसान नियम, प्रशिक्षण और नौकरी के बेहतर अवसर तथा छात्रों की सुरक्षा जैसे कुछ कारण हैं।

ऑक्सिलो फिनसर्व में विदेशी शिक्षा ऋण से जुड़ी मुख्य अधिकारी श्वेता गुरु ने कहा कि आज भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई के मामले में अधिक व्यावहारिक हो गए हैं और वे खर्च के बदले मिलने वाले लाभ को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्पेन, जर्मनी और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पढ़ाई के लिए मांग तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि वहां अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा, कम खर्च, स्पष्ट वीजा प्रक्रिया और पढ़ाई के बाद रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं, खासकर स्नातकोत्तर स्तर और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों में।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोप के कई नए शिक्षा केंद्रों में वर्ष 2023 से 2025 के बीच लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार इन देशों में पढ़ाई का कुल खर्च लगभग 18 से 40 लाख रुपए प्रति वर्ष है, जबकि ब्रिटेन जैसे पारंपरिक देशों में यह 60 से 90 लाख रुपए प्रति वर्ष तक पहुंच जाता है। वहीं जर्मनी, स्पेन और अन्य उभरते देशों में पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी मिलने में औसतन छह से नौ महीने लगते हैं, जबकि पारंपरिक देशों में यह समय नौ से 15 महीने तक हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन देशों में शुरुआती वेतन लगभग 25 से 45 लाख रुपए सालाना होता है, जबकि पारंपरिक देशों में यह 45 से 75 लाख रुपए तक हो सकता है।

वेब सीरीज 'सतरंगी' के ऐलान के साथ छलका अभिनेत्री महवश का दर्द

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हर हफ्ते नई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज हुआ करती हैं। कुछ आते ही लोगों के दिलों में घर कर लेती हैं, जबकि कुछ के बारे में पता ही नहीं चल पाता। इस बीच अभिनेत्री महवश आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी' लेकर आ रही हैं। महवश ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट में उन्होंने सीरीज की टीम और बीटीएस तस्वीरें शामिल की हैं। अभिनेत्री ने लिखा, मैं अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी' के जी5 पर स्ट्रीम होने की घोषणा कर रही हूं। बस आप सभी का ढेर सारा प्यार और दुआएं चाहिए। महवश ने शूटिंग के दौरान कड़ी मेहनत और जिंदगी की उथल-पुथल का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, मैंने ऐसे कई दिन और रातें देखी हैं, जिन्हें याद करना भी नहीं चाहती। कई बार दिल खोलकर रोई, लेकिन हर पल कड़ी मेहनत की ताकि आज इस मुकाम तक पहुंच सकूं। उन्होंने आगे लिखा, हर इंसान अपनी जिंदगी की परेशानियों से लड़कर आगे बढ़ रहा है। कोई कितना भी बता सकता है, लेकिन हर छोटी खुशी, हर नया प्रोजेक्ट और वो मौका जहां हम मम्मी-पापा को गर्व महसूस करा सकें, ये सब बहुत मायने रखता है। महवश ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, आप लोगों ने हमेशा मेरा साथ दिया, शायद इसलिए कि आपको मुझमें अपने जैसा कुछ दिखता है। इसके लिए दिल से धन्यवाद। ट्रोल्स क्या कहते हैं या मीम पेज क्या दिखाते हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी सच्चाई और कहानी सिर्फ हमें पता है।

उन्होंने पोस्ट के आखिरी में लिखा, हम आगे बढ़ते रहेंगे और किसी को भी हमें रोकने नहीं देंगे। चलो टीम महवश, आगे बढ़ते हैं। इस सीरीज को जी5 पर स्ट्रीम किया जाएगा। हालांकि महवश ने सीरीज के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। अब देखना होगा कि सीरीज को कब स्ट्रीम किया जाएगा। महवश एक प्रसिद्ध भारतीय रेडियो जॉकी, यूट्यूबर, कंटेंट क्रिएटर और निर्माता हैं और सोशल मीडिया पर आरजे महवश के नाम से मशहूर हैं। इसी के साथ कुछ वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं और फिल्म 'सेक्शन 108' की निर्माता भी हैं।

एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में सुपरहीरो पर आधारित कहानियां हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। इस कड़ी में अब एक ऐसी फिल्म आने वाली है, जिसमें सुपरहीरो का अंदाज बिल्कुल अलग और अनोखा होगा। अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म 'सुपर वेली' में एक ऐसे सुपरहीरो का किरदार निभाने जा रही हैं, जो सुपरहीरो की पावर को गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। फर्स्ट लुक के वीडियो से साफ जाहिर है कि इस फिल्म में उनका किरदार थोड़ा आलसी, अजीब और मजाकिया अंदाज वाला है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने मजाक में कहा था कि 'मैं वेली हूं।' आम बोलचाल की भाषा में 'वेली' शब्द का मतलब होता है कि कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास करने के लिए कोई काम न हो या जो खाली बैठा हो। उनके इस वीडियो को कुछ यूजर्स ने गलत तरीके से समझ लिया और कहने लगे कि अदा शर्मा के पास काम नहीं है और वह खाली बैठी हैं। लेकिन अब, जब अदा शर्मा ने फिल्म के टाइटल का खुलासा किया, तो लोगों को समझ आया कि वह अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं। फर्स्ट लुक वीडियो में वह अपने किरदार के बारे में बताती दिख रही है, वह कहती है, ''मेरा नाम 'वेल्ली' नहीं 'वेली' है, लेकिन आप मुझे वेल्लीविजिलक्ष्मी कृष्णमूर्ति चंद्रशेखरानवामी अय्यर कह सकते हैं।'' वह आगे बताती है कि वह एक्रोमैटोप्सिया है यानी कलर ब्लाइंड.. इससे पीड़ित इंसानों को दुनिया केवल काले, सफेद और ग्रे कलर में दिखाई देती है।

मेरा दिल कृतज्ञता से भरा है : आदित्य धर

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों ने उनके काम पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए वह गहरी कृतज्ञता महसूस करते हैं।

धर की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' रिलीज के लिए तैयार है। निर्देशक ने बृहस्पतिवार को अपना 43वां जन्मदिन मनाया और अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने अपनी टीम और प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ''मैं अपना जन्मदिन 'धुरंधर: द रिवेंज' को अंतिम रूप देने में बिताते हुए एक पल ठहरकर बीते असाधारण साल को याद कर रहा हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज यहां बैठकर मैं गहरी कृतज्ञता से भर गया हूं इस पूरी यात्रा के लिए, उस टीम के लिए जो हमेशा मेरे साथ चलती रही, और उन सभी लोगों के लिए जिन्होंने वर्षों से मेरे काम पर भरोसा जताया है।''

फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने कहा कि उनका दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है और दर्शकों का भरोसा उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप सभी के संदेश, टवीट, स्टोरीज़ और 'आदित्य धर' मीम्स में की गई बारीकियों को पढ़कर मेरा दिल भर आया है। काश मैं आप में से हर एक को व्यक्तिगत रूप से जवाब दे पाता, लेकिन कृपया यह जान लें कि मैं आपके प्यार और प्रोत्साहन को दिल से महत्व देता हूं। उन्होंने कहा, मैं इनमें से किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं लेता। एक ऐसे उद्योग में जहां कुछ भी तय नहीं होता और हर फिल्म विश्वास की एक छलांग होती है, वहां दर्शकों का भरोसा ही सब कुछ होता है। अगर इस साल ने मुझे कुछ सिखाया है, तो वह यह है कि अपने सपनों पर विश्वास कभी नहीं खोना चाहिए, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों।

ईमानदारी के साथ काम करें, अपने काम में अपनी पूरी ताकत लगा दें, तो उसका सकारात्मक परिणाम निकलेगा। भरोसा रखें कि हर छोटा कदम और हर संघर्ष हमें धीरे-धीरे वहीं ले जा रहा है, जहां हमें होना चाहिए।

धर की फिल्म 'धुरंधर' दिसंबर 2025 में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अभिनीत इस फिल्म में कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित गुप्त खुफिया अभियानों की कहानी दिखाई गई है।

पर्दे पर रोमांस और सेट पर तनाव, जब राजेश खन्ना के साथ काम कर परेशान हो गई थीं फरीदा जलाल

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में कदम रखने से पहले हर किसी का सपना होता है, पर्दे पर मुख्य अभिनेत्री बनने और बड़े सुपरस्टार के साथ चमकने का, लेकिन जरूरी नहीं है कि जो सोचा जाए, वो मिले ही। भाग्य कहां ले जाए, कहा नहीं जा सकता है और ऐसा ही हुआ 60 के दशक से लेकर आज तक हिंदी सिनेमा पर अपनी प्यारी मुस्कान से राज करने वाली फरीदा जलाल के साथ। राजेश खन्ना के साथ करियर शुरू किया लेकिन वो पहचान नहीं बना पाई, जो एक मुख्य अभिनेत्री को मिलती है। 14 मार्च को जन्मीं फरीदा जलाल का बचपन का सपना था कि वे अभिनेत्री ही बनें क्योंकि उनके घरवालों ने छोटी उम्र में ही उनकी शादी तय कर दी थी। रूढ़िवादी परिवार की बंदिशों को तोड़ते हुए अभिनेत्री ने कम उम्र में ही हिंदी सिनेमा में कदम रख पहचान बनाने की राह चुन ली थी, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि फरीदा और राजेश खन्ना का फिल्मी करियर एक स्टेज से शुरू हुआ था। राजेश खन्ना और फरीदा जलाल 1965 में फिल्मफेयर के 'यूनाइटेड प्रोड्यूसर्स टैलेंट हंट' के फाइनलिस्ट थे और दोनों को फिल्मफेयर ने चुना था। उस वक्त फरीदा और राजेश खन्ना दोनों ही नहीं जानते थे कि यह रिश्ता आगे

जाकर बहुत गहरा होने वाला है। राजेश खन्ना को 'खत' फिल्म मिली और फरीदा जलाल को 'तकदीर'। दोनों ने अलग-अलग फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन डायमंड जुबली फिल्म 'आराधना' में राजेश खन्ना और फरीदा जलाल के रोमांस ने पर्दे पर नया आयाम गढ़ दिया था। फिल्म का गाना 'बागों में बहार है' आइकॉनिक गानों में शुमार है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पर्दे पर रोमांस करने वाले अरुण और रेनू सेट पर एक-दूसरे से ठीक से बात तक नहीं करते थे?

फरीदा जलाल ने खुद इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उस वक्त काका पर सफलता का नशा था और किसी नए आर्टिस्ट के साथ काम करना उन्हें गंवारा नहीं था। वह सेट पर बात करते थे और डायलॉग में गलती व रिहर्सल में फरीदा को डांटने लगते थे। खुद फरीदा ने कहा था कि राजेश खन्ना के साथ उस फिल्म में काम करना आसान नहीं था लेकिन फिल्म की रिलीज व फिल्म के हिट होने के बाद दोनों की बातचीत हुई और देखते ही देखते कड़वाहट दोस्ती में बदल गई।

आलम यह रहा कि राजेश खन्ना फरीदा जलाल को छोटी कहकर बुलाने लगे। दोनों ने साथ में 1969 में आई 'भोला-भाला' और 'तलाश' में भी काम किया। राजेश खन्ना और फरीदा का रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वो सेट पर उन्हें परेशान करने लगीं। अभिनेता को सफेद कुर्ता-पजामा पहनने का बहुत शौक था और कुर्ते में दाग या सिलवट न पड़ जाए, ऐसे में वो किसी को अपने पास भटकने नहीं देते थे। हालांकि फरीदा जलाल उनके बालों के हेयरस्टाइल को खराब कर देती थी और अभिनेता कुछ कह नहीं पाते थे।

जब जीवन उलझा हो, तो शब्द ही जमीन देते हैं : लिसा रे

मुंबई/एजेन्सी

कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए कई मुद्दों पर अपनी राय रखती रहती हैं। शुक्रवार को उन्होंने एक खास नोट के जरिए बताया कि अभी वे अपनी आगामी कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर किया। इस नोट में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उन्होंने एक ऐसी शांत जगह बनाई थी, जहां वे अपनी कविताएं शेयर कर सकें। अभिनेत्री ने लिखा, मेरे लिए शब्द हमेशा से सहारा रहे हैं, जब जीवन उलझा हुआ लगता है, तो केवल भाषा ही मुझे स्थिर जमीन देती है। मैं अब धीरे-धीरे, निजी तौर पर कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हूं और अब लगता है कि इस हिस्से को सभी के सामने लाने का समय आ गया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि अंधेरे में लोग गीत गाते हैं, कला बनाते हैं और भाषा की मदद से उस भार को संभालते हैं, जो अकेले उठाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, मेरे दूसरे घर दुबई में हाल की घटनाओं को देखना बहुत कठिन रहा। यूएई के नागरिक अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं और वहां की नेतृत्व व्यवस्था अच्छी है, लेकिन अनिश्चितता, दोस्तों के संदेश और सबके सांस रोककर इंतजार करना बहुत भारी पड़ रहा है।

बता दें कि अपनी पोस्ट में लिसा ने एक कविता भी शेयर की, जो सुबह-सुबह उनके मन में आई। वहीं, अभिनेत्री ने बिना किसी बदलाव के इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि ये कविता खासतौर पर उन लोगों

के लिए है, जो अस्थिर परिस्थितियों में जी रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, मेरे पति का पालन-पोषण लेबनान में हुआ, जहां ऊपर से मिसाइलें गिरती रहती थीं। यह कविता उनके साहस, परिवार की दृढ़ता और दुनियाभर के उन परिवारों के लिए है, जिनकी सामान्य जिंदगी में सायरन की आवाज हमेशा शामिल रही है।

लिसा ने कविता की एक खास पंक्ति सभी के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, जब आप पंखुड़ियों की ओर हाथ बढ़ाते हैं और सिर गायब होता है। अभिनेत्री ने बताया कि ये पंक्ति उनकी बहन के आने वाले उपन्यास 'द फर्स्ट हाउस' से प्रेरित है। अभिनेत्री ने लिखा, कला एक-दूसरे से जुड़ती है और हम दूसरे के शब्दों से साहस लेते हैं।अंत में उन्होंने संदेश देते हुए लिखा, अगर समय अनिश्चितताओं से भरा है, तो इसका जवाब सृजन से दें, सहानुभूति से दें, और आवाज उठाकर दें। लिसा रे ने बताया कि उनकी कविता की किताब जल्द ही रिलीज होने वाली है। उन्होंने लोगों से इसे प्री-ऑर्डर करने की अपील की और कहा कि वे मानती हैं यह साल की सबसे चर्चित किताबों में से एक होगी।

ईरान संघर्ष के बीच अबू धाबी से भारतीयों को लेकर बेंगलूरु पहुंची फ्लाइट

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के बीच अबू धाबी से बेंगलूरु आ रही एतिहाद एयरवेज की उड़ान ईवाई-262 शनिवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गई। अबू धाबी से बेंगलूरु पहुंचे भारतीय नागरिकों ने बताया कि कुवैत और बहरीन की तुलना में संयुक्त अरब अमीरात में स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है, हालांकि उन्होंने संघर्ष जारी रहने की स्थिति में भारतीय कामगारों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव के बारे में आशंका भी व्यक्त की। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों के बीच बेचैनी पैदा कर दी है। एक यात्री ने भारतीय मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दुबई के प्रमुख स्थलों पर हमले का दावा किया गया था।

यात्री ने कहा, भारतीय मीडिया में दिखाई जा रही खबरें कि बुर्ज खलीफा पर हमला हुआ है, कुछ दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं, ये सब झूठी खबरें हैं। इन सब बातों पर विश्वास न करें। जब भी कोई हमला होता है, तो कुछ न कुछ होता है, मलबा वगैरह गिर जाता है, उससे धुआं निकलता है और ऐसा हो रहा है। इसी वजह से सिर्फ कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं, बाकी सब सामान्य है। कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है और दफ्तर सामान्य हैं। हर जगह सब कुछ समान्य हैं। एक अन्य यात्री ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों पर भरोसा न करने की सलाह दी और सरकारी सूचनाओं पर विश्वास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सब कुछ नियंत्रण में है। मुझे लगता है कि सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के बजाय विश्वसनीय वेबसाइटों और विश्वसनीय खबरों का अनुसरण करना चाहिए। सरकार द्वारा जारी की गई सूचनाओं पर ध्यान दें। खासकर दुबई और अबू धाबी सरकार की सूचनाएं। वे प्रतिदिन की सूचनाएं दे रहे हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। सब कुछ सामान्य चल रहा है।

बेंगलूरु के गोड़वाड़ भवन में होगा गच्छाधिपति नित्यानंदसूरीश्वर का आगामी चातुर्मास

गोड़वाड़ भवन के प्रतिनिधिमंडल ने आचार्यश्री के दर्शन किए, बेंगलूरु में छाया हर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/गुलाबपुरा। पद्मश्री से विभूषित वल्लभसूरी समुदायवर्ती गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी का आगामी चातुर्मास बेंगलूरु के गोडवाड़ भवन में घोषित हुआ है। चातुर्मास संबंधी घोषणा गुलाबपुरा में केसरिया आदिनाथ धाम में 900 वर्ष प्राचीन प्रभु प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर की गई। इस प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान बेंगलूरु गोडवाड़ भवन ट्रस्ट की ओर से कुमारपाल सिसोदिया एवं विक्रम कुमार करबावाला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आचार्यश्री के समक्ष आगामी चातुर्मास हेतु निवेदन किया। इस मौके पर देश के विभिन्न राज्यों से आए अनेक संघों के पदाधिकारी एवं गुरु भक्तों ने भी अपने-अपने संघ में चातुर्मास के लिए आचार्यश्री से निवेदन किया। इन सभी के बीच आचार्यश्री ने बेंगलूरु के गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के निवेदन को स्वीकार करते हुए आगामी चातुर्मास बेंगलूरु में करने की भावना व्यक्त की। चातुर्मास की घोषणा होते ही बेंगलूरु से पहुंचे श्रद्धालुओं में हर्ष की लहर दौड़ गई।ङ्कङ्कइस मौके पर कुमारपाल सिसोदिया ने धर्मसभा में गोडवाड़ भवन द्वारा संचालित समाजोपयोगी विविध योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उपस्थित जनमेदनी ने करतल ध्वनि से अनुमोदना की। आचार्यश्री ने गोडवाड़ भवन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की भी सराहना करते हुए उनकी अनुमोदना की। इसके पश्चात बेंगलूरु गोड़वाड़ भवन के प्रतिनिधिमंडल ने आचार्यश्री का गुरुपूजन किया और चातुर्मास घोषणा के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल में गौतम मेहता, अशोक करबावाला, इंदरचंद बोहरा, गौतमचंद संचेती, उत्तमचंद आच्छा, विमल गांग, अशोक बंबोली, वसंत सोलंकी, भरत सेमलानी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रदर्शन

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की किल्लत के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बेंगलूरु की सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कीमतों को तुरंत कम करने की मांग की।

'शोभा शताब्दी महोत्सव' व 100वां अन्नदानम महाप्रसादी की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरुगणेश सेवा समिति, कर्नाटक के तत्वावधान में धर्म, सेवा एवं मानव कल्याण की भावना के साथ 'शोभा शताब्दी महोत्सव' व 100वां अन्नदानम महाप्रसादी वितरण कार्यक्रम का आयोजन आगामी बुधवार को किया जा रहा है। कार्याध्यक्ष आशीष बाफना ने बताया कि इस विशेष कार्यक्रम में चिकपेट के विधायक उदय गरुड़ाचार, राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. नागलक्ष्मी चौधरी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कर्नाटक के राज्य महासचिव इंद्रकुमार नाहर, 116 बार रक्तदान करने वाले मधुरा अशोक कुमार अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

समुद्र में जीपीएस की गड़बड़ी से युद्ध से जहाजों की सुरक्षा पर संकट उत्पन्न हो जाता है

जॉर्जिया/दक्षिण भारत। ईरान में जारी युद्ध के कारण हवाई हमलों और बढ़ती सैन्य गतिविधियों की खबरें सुर्खियों में रही हैं लेकिन युद्ध में तत्काल तबाही के अलावा, इस संघर्ष ने तेजी से बढ़ते एक और खतरे को भी उजागर किया है और वह है- पोतों की नेविगेशन प्रणालियों में व्यवधान के कारण जहाजों और इन्हें संचालित करने वाले लोगों पर खतरा।

आधुनिक जहाजरानी व्यवस्था जीपीएस उपग्रह नेविगेशन पर काफी हद तक निर्भर करती है। जब इन संकेतों में बाधा उत्पन्न होती है या उनमें हेरफेर किया जाता है, तो जहाज अपने नाविकों और अन्य जहाजों को अचानक किसी अन्य स्थान पर दिखाई दे सकते हैं, जबकि वास्तव में वे कहीं और होते हैं। महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और समुद्री प्रणालियों का अध्ययन करने वाली एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता के रूप में, मैं इस बात की समीक्षा करती हूं कि डिजिटल खतरे जहाजों और उन्हें संचालित करने वाले लोगों को कैसे प्रभावित करते हैं। जीपीएस व्यवधानों से उत्पन्न खतरे को समझने के लिए, पहले यह समझना आवश्यक है कि जीपीएस कैसे काम करता है। जीपीएस प्रणाली पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे उपग्रहों से प्राप्त संकेतों का उपयोग करके स्थान का निर्धारण करती है। जीपीएस जैमिंग में, हमलावर विद्युत चुम्बकीय शोर से उपग्रह के वास्तविक संकेतों को अवरुद्ध कर देता है, जिससे उनकी पहचान नहीं हो पाती। ऐसा होने पर नेविगेशन प्रणाली में गड़बड़ी आ जाती है। फोन पर, ऐसा लग सकता है कि नक्शा रुक गया है या अनियमित रूप से हिल रहा है। समुद्र में नाविकों के लिए, जीपीएस में गड़बड़ी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। खुले समुद्र में, अगर जीपीएस ठीक से काम नहीं करता है, तो जहाज की स्थिति की पुष्टि करने के लिए बहुत कम स्थलचिह्न होते हैं। इसका एक उदाहरण मई 2025 में सामने आया। लाल सागर से गुजरते समय, कंटेनर जहाज एमएससी एंटोनिया अपनी वास्तविक स्थिति से काफी दूर की स्थिति दिखाने लगा। इससे चालक दल भ्रमित हो गया और अंततः जहाज किनारे से टकरा गया।

पूना पहुंचे राष्ट्रसंत पंकजमुनि आदि संतों का हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

डॉ. वरुण मुनि के सान्निध्य में निकली धर्म यात्रा, तपस्विनी मीराबाई लुनिया को तप रत्नेश्वरी अलंकरण से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/पूना। राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, डॉ. वरुणमुनिजी एवं रूपेशमुनिजी ने बेंगलूरु चातुर्मास सम्पन्न कर विहार करते हुए पूना नगर में प्रवेश किया जहां उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। संतगण नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए जयकारों के साथ शाहूनगर, शिवाजी पार्क पूना पहुंचे। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुगण हाथों में जैन ध्वज लेकर धर्मयात्रा में शामिल हुए। गुरु कृपा निवास के समक्ष आयोजित पंडाल में धर्म यात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। संगीतकार तरुण मोदी ने मंगल गीतों के माध्यम से गुरु भक्ति प्रस्तुत की तथा रूपेशमुनिजी ने गुरु पदम आरती का मंगल गायन किया। नवकार महामंत्र के मंगलाचरण के साथ धर्म सभा का शुभारंभ हुआ। धर्म सभा को संबोधित करते हुए डॉ. वरुणमुनि जी ने कहा कि आकुर्डी संघ में वर्ष 2015 का चातुर्मास ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ था। लगभग दस वर्षों के पश्चात लगभग 39 वर्षों से एकासन तप की आराधना कर रही तपस्वी मीराबाई के 419 आयंबिल तप पूर्ण होने के अवसर पर पूना में आगमन हुआ है। इस मौके पर गुरु पदम अमर शिष्य परिवार की ओर से मीराबाई की तप आराधना के उपलक्ष्य में उन्हें 'तप रत्नेश्वरी अलंकरण' से सम्मानित किया गया। समारोह में पूना के आसपास के अनेक श्रद्धालु व गुरुभक्त उपस्थित थे। तपस्वी मीराबाई लुनिया ने 531 आयंबिल के पच्चखरन ग्रहण किए। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया। इस मौके पर गुरु भक्ति डायरी का लोकार्पण भी किया गया।

पेरियापटना में हुआ धर्मगुरु दीवान व धर्मरथ बैल का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले की पेरियापटना तालुक स्थित सीरवी समाज की ओर से शुक्रवार को आईपंथ के धर्म गुरु दीवान माधवसिंहजी व धर्म रथ बैल का बधावा किया गया जिसमें समाज की महिलाओं द्वारा मंगल कलश यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री आईमाता मंदिर पहुंची। माताजी की आरती से सम्मान समारोह का शुभारंभ हुआ। समाज के पदाधिकारियों ने धर्मगुरु व रथ का सम्मान किया। धर्मरथ बैल के मुख्य दीपाराम काग ने आईमाता के 11 नियम व धर्म रथ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, उपाध्यक्ष देवाराम गेहलोत, सचिव जितेंद्र बर्फा, कोषाध्यक्ष नाथूराम सोलंकी, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष ललित हांबड़, महिला मंडल के अध्यक्ष भूरीदेवी सोलंकी, सचिव आशा सेपटा सहित बड़ी संख्या में अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 193 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. विकास कुमार, डॉ. धर्मेंद्र कुमार तथा शिविर संयोजक विजयगंथ बीके व नर्सिंग कर्मियों की देखरेख में गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित की ओर से शनिवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

विराट सिंह तथा वन्या कंवर ने शिविर का उदघाटन किया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मंड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 193 लोगों ने नेत्र जांच करवाई व चिकित्सकिय परामर्श के बाद 63 लोगों को चिन्हित कर आंखों का ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय के लिए बस में रवाना किया।

स्वागत

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और एच.डी. कुमारस्वामी शनिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने मांड्या पहुँचे। मांड्या, जो अपनी चीनी मिलों और गन्ने की खेती के लिए प्रसिद्ध है, वहाँ के स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक तरीके से मिठाई और फूलों के साथ मंत्रियों का भव्य स्वागत किया।

आरपीएफ कर्मियों के लिए क्यूआरटी ऑपरेशंस और भीड़ प्रबंधन पर प्रशिक्षण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), बेंगलूरु डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 13 मार्च को क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) ऑपरेशंस और भीड़ प्रबंधन पर एक व्यापक एक-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बेंगलूरु डिवीजिन के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयंस चिंचावड़े, यलहंका सीआरपीएफ के रैपिड एक्शन फोर्स की 97वीं बटालियन कमांडेंट सचिन के समन्वय से आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों की परिचालन तत्परता, सामरिक प्रतिक्रिया क्षमता और भीड़ प्रबंधन कौशल को बढ़ाना था, विशेष रूप से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में देखी जाने वाली भारी यात्री आवाजाही को देखते हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपात स्थितियों, कानून और व्यवस्था की स्थितियों और बड़े जनसमूह के इकट्ठा होने के परिदृश्यों के दौरान आरपीएफ और आरएएफ/सीआरपीएफ जैसी विशेष केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच समन्वय को मजबूत करना भी था। आरपीएफ की ओर से कुल 40 कर्मियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचने पर, आरपीएफ टीम का आरएएफ के उप कमांडेंट सिरीश कुमार राय और 97वीं बटालियन आरपीएफ के अनुभवी प्रशिक्षकों की उनकी टीम द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम एक व्यवस्थित और पेशेवर तरीके से आयोजित किया जाए, जिससे प्रतिभागियों को अधिकतम सीखने का अवसर मिल सके। प्रतिभागियों ने आरएएफ प्रशिक्षकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील वातावरण में प्रभावी भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक परिचालन प्रक्रियाओं, सुरक्षात्मक युक्तियों और रणनीतिक योजना का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आरपीएफ कर्मियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ और इसने आरपीएफ और आरएएफ/सीआरपीएफ के बीच अंतर-बल समन्वय और आपसी समझ को और मजबूत किया, जो रेलवे परिसर में सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के समापन पर, बीएनसी इंस्पेक्टर एम निषाद ने आयुक्त श्रेयंस चिंतावड़े की ओर से पूरी आरएएफ टीम को विशेष रूप से शिरीष कुमार राय, डिप्टी कमांडेंट को, प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में उनके उत्कृष्ट प्रबंधों, पेशेवर मार्गदर्शन और पूरे दिल से दिए गए सहयोग के लिए हार्दिक सराहना व्यक्त की।

भारतीय संस्कृति में महिलाओं को विशेष सम्मान प्राप्त है : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सांस्कृतिक, सामाजिक, क्रीड़ा संगठन 'विनूताना' द्वारा शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय विश्व महिला दिवस का आयोजन बसवेश्वर भवन लग्गेरे में किया गया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं प्रदान के लिए चयनित महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को विशेष सम्मान प्राप्त है, प्राथमिकता है। हम भारतीय महिलाओं में देवी, मां, पत्नी, बहन ऐसे पवित्र रिश्तों के दर्शन करते हैं। वर्तमान में महिला के तेवर स्वागत योग्य हैं। आज महिला घर गृहस्थी को संभालते हुए हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर पुरुष के साथ चल रही है।

मुणोत ने महिलाओं से कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों की बातें अवश्य करें, लेकिन अपने कर्तव्य को न भूलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**